दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

वर्ष-3, अंक-210
इन्दौर, मंगलवार
29 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

धनतेरस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

तिरुपति के कई होटलों को बम से उड़ाने की धमकी

आतंकी को सजा दिलाने में सीएम ने की मदद, इसलिए, मेल से हड़कंप

हैदराबाद (एजेंसी)।

तिरुपति जिले के कई होटलों को धमकी मिलने के बाद पुलिस की टीम एक्टिव हो गई। पुलिस की टीम ने तुरंत होटल में जाकर सर्च ऑपरेशन चलाया।

साथ ही धमकी वाले मेल की जानकारी जुटाई जा रही है। आंध्र प्रदेश के तिरूपति जिले में कई होटलों को बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। लीला महल सेंटर के तीन होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। होटल के मालिक ने पुलिस को मामले की जानकारी दी है। होटल मालिक को मिले मेल में दूसरे होटलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने धमकी मिले होटलों में चेकिंग अभियान शुरू किया है।

पुलिस सभी एंगल्स में कर रही जांच

तिरुपति ईस्ट पुलिस स्टेशन के सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनिवासुलु ने कहा कि ईमेल के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की कई एंगल से जांच की जा रही है। तीन होटलों को बम धमकी मिलने के बाद से पुलिस विभाग अलर्ट। इंस्पेक्टर श्रीनिवासुलु ने कहा कि जल्द ही वह आरोपियों को पकड़ लेंगे। जांच पूरी होने के बाद ईमेल भेजने वालों की पहचान भी हो जाएगी।

सीएम स्टालिन ने की मदद

पुलिस की जांच में पता चला कि धमकी भरे मेल में कहा गया कि तमिलनाडु में आतंकी जफर सादिक को सजा दी गई है। सजा दिलाने में मुख्यमंत्री स्टालिन ने मदद की है। इसलिए आईएसआई धमाके करने की कोशिश करेगी। इसका असर सीएम स्टालिन पर पड़ेगा। परिवार के साथ-साथ तमिलनाडु के कुछ स्कूल भी इसकी चपेट में आएंगे।

कई फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की मिल चुकी है धमकी

बता दें कि इसके पहले भी देश के कई अलग-अलग फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। पुलिस की टीम और एयरलाइंस से जुड़े अधिकारी इस धमकी भरे मेल और एसएमएस की जांच कर रहे हैं। धमकी भरे मेल को लेकर केंद्र सरकार भी सख्त रवैया अपनाए हुए है।

पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया

मेल में धमकी मिलने के बाद तिरूपति के होटलों की तुरंत जांच की गई। पुलिस टीम को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से राहत की सांस मिली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पप्पू यादव को मिली जान से मारने की धमकी

लॉरेंस बिश्नोई के भाई ने 3 घंटे का दिया अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई के भाई द्वारा व्हाट्सएप ऑडियो कॉल के जरिए दी गई है।

सांसद पप्पू यादव को मिली धमकी का ऑडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में लॉरेंस बिश्नोई का भाई बार-बार पप्पू यादव को अपना भाई बता रहा है। उनके कार्यों की सराहना भी कर रहा है। वायरल ऑडियो में लॉरेंस बिश्नोई का भाई ये भी कहता है की जेल का चैंबर 10 मिनट के लिए बंद करने के बाद फोन किया तो अपने फोन क्यों नहीं उठाया? आखिर में लॉरेंस के भाई ने इस वायरल ऑडियो में पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी देते हुए 3 घंटे की अल्टीमेटम दे डाला है। हालांकि, हमारा चैनल इस ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। इस बाबत पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने अभी तक अपना कोई भी बयान जारी नहीं किया है।

सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से नफरत और गुस्से को फैलाया: प्रियंका गांधी

वायनाड, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने चुनावी अभियान का आगाज किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैली को संबोधित कर कहा कि आप सभी ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। कुछ दिन पहले मैं अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए वायनाड आई थी। मैं रात में अपने होटल जा रही थी, तभी मैंने कुछ लोगों को खड़ा देखा, इसलिए मैं रुक गई और उनसे बात की।

उन्होंने कहा, उनमें से एक शख्स सेना से था। शख्स ने बताया कि वह अपनी नौकरी के लिए पूरे देश में यात्रा कर चुका है। उसकी मां मुझसे मिलना चाहती थी, लेकिन वे उस जगह तक चलकर नहीं आ सकती थी, इसलिए मैंने उससे कहा कि वह मुझे अपने घर ले जाए, ताकि मैं उनसे मिल सकूं। उन्होंने मुझे पहले कभी व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा था, लेकिन जब वह मुझसे मिलीं तब उन्होंने मुझे इस तरह से गले लगाया, जैसे मैं उनकी अपनी बच्ची हूं। उन्होंने मुझे ठीक वैसे ही पकड़ा था जैसे मेरी मां पकड़ती है। मुझे कोई अंतर महसूस नहीं हुआ। उन्होंने भाजपा पर भी हमला कर कहा, आप जानते हैं कि हम किस दौर में जी रहे हैं। केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार है, जहां भय, अविश्वास और क्रोध विभिन्न समुदायों के बीच फैला हुआ है। आपने अल्पसंख्यकों पर इसतरह के हमले देख हैं, मणिपुर में क्या हुआ? आपने बार-बार देखा है कि कैसे यह सरकार एकजुट, योजनाबद्ध तरीके से नफरत और गुस्से को फैलाती है।

गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति के चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा: राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनका भारत के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति से वादा है कि वह उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाएंगे। उन्होंने अपने व्हाट्सऐप चैनल पर एक वीडियो साझा किया जिसमें वह नाई की दुकान के लिए जरुरी सामान खरीदते नजर आ रहे हैं जिसके साथ राहुल गांधी ने दिल्ली के उत्तम नगर स्थित उसकी दुकान पर बातचीत की थी। राहुल ने उन सभी

वस्तुओं की व्यवस्था कराई जिसकी जरूरत नाई का काम करने वाले अजीत को थी। वीडियो के साथ अपने पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि मेरा भारत के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति से वादा है कि मैं उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा। वीडियो में अजीत ने राहुल गांधी को उसकी दुकान के लिए सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया है। राहुल ने शुक्रवार को कहा था कि घटती आय और बढ़ती महंगाई के कारण मेहनतकश गरीब लोगों के सपने छिन गए हैं।

तुर्की में भूकंप के तीव्र झटके

अंकारा, (एजेंसी)। तुर्की के दक्षिणी प्रांत अदाना में भूकंप के तीव्र झटके महसूस किये गये हैं। तुर्की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण (एएफएडी) ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय समयानुसार रविवार शाम करीब 05 :07 बजे आये भूकम्प की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 मापी गयी। भूकम्प का केंद्र कोज़ान जिले में लगभग 20.13 किलोमीटर की गहराई में था।

फान 'ट्रामी' से मरने वालों की संख्या बढ़कर 116 हुई

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस में पिछले सप्ताह आए उष्णकटिबंधीय तूफान 'ट्रामी' के कारण आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 116 हो गई है। फिलीपींस के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन परिषद (एनडीआरआरएमसी) सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कम से कम 39 अब भी लोग लापता हैं।

पाकिस्तान में अलग-अलग अभियानों में मारे गए 4 आतंकवादी

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो सैन्य अभियानों में चार आतंकवादी मारे गये। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने रविवार को एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों के जवान प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर आतंकवादियों से भिड़ गए।

प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास: भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान पर विमर्श और राष्ट्रीय संगोष्ठी

वसुधा की रक्षा के लिए सभी नागरिक अपना दायित्व निभाएं

भोपाल , राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यावरण आज सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। वसुधा को बचाने का कर्तव्य हम सभी को निभाना है। भारत की पहचान दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के संदर्भ में भी बनी है। प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सारे विश्व में अपने सक्षम नेतृत्व से भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता इस बात से सिद्ध होती है कि वे वर्ष 2030 तक भारत द्वारा 500 गीगावाट नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। निश्चित ही हम कार्बन उत्सर्जन में एक बिलियन टन की कमी लाने में सफल होंगे। पर्यावरण की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण संकल्प है। इसकी पूर्ति के लिए राष्ट्रवासी भी सहयोग कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के अनुसार सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रदेश अधिक से अधिक योगदान देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास- भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान विषय पर आयोजित विमर्श सत्र एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रह थे। इसका आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एप्पा) और मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद ने नर्मदा समग्र संस्था पैरवी और सिकोइडिकोन संगठन के सहयोग से किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें हमारी भारतीय जीवन पद्धति, हमारी मान्यताओं और परमात्मा एवं प्रकृति से जुड़ने के हमारे मूल दृष्टिकोण का अपना महत्व सामने आता है। एक श्रेष्ठ जीवनशैली के लिए भारतीय जाने जाते हैं। खान-पान और जल की शुद्धता के लिए हम गंभीर हैं। मध्यप्रदेश पर परमात्मा की विशेष कृपा है। जहाँ हमारा देश मानवता प्रेमी है, वहीं पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के लिए भी भारत सक्रिय है। विश्व के कल्याण के लिए भारत के उदात्त भाव से सभी परिचित हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के देशों के लिए आशा की किरण हैं। जहाँ रूस और यूक्रेन के युद्ध की परिस्थितियां सभी के सामने हैं, वहीं इजराइल जैसे राष्ट्र जो तकनीक के उपयोग और अस्मिता के संघर्ष के लिए जाने जाते हैं, भारत के लिए इन सभी राष्ट्रों का सम्मानजनक रूख है। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था

कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी और भारत की सामर्थ्य एवं पर्यावरण प्रेमी होने के दृष्टिगत हमारी प्रतिष्ठा विश्व में बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने नर्मदा नदी और उसके तटों की पर्यावरणीय संरक्षण के लिए आवश्यक निर्णय लिए हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। सभी नदियों की स्वच्छता और हमारे ईको सिस्टम का संतुलन बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। हमारी सोन नदी, पुण्य सलिला गंगा को बलिष्ठ बनाती है। गंगा बेसिन के लिए यमुना के माध्यम से चंबल और क्षिप्रा भी यही भूमिका निभाती हैं। बेतवा भी यमुना जी में जाकर मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा विश्वास जियो और जीने दो में है। भोपाल के पास रातापानी टाइगर अभ्यारण्य है। भोपाल के पास सड़कों पर दिन में मनुष्य और रात्रि में टाइगर दिखाई देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी और विमर्श-सत्र से पर्यावरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आएंगे। उन्होंने इस वैचारिक कार्यक्रम की सफलता की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप जलाकर विमर्श-सत्र का शुभारंभ किया। सत्र को नार्वे के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय विकास और पर्यावरण मंत्री और यूएनडीपी के पूर्व कार्यकारी निदेशक श्री एरिक सोलहेम ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश बहुत सुंदर राज्य है। इसकी हेरिटेज देखने लायक है। मध्यप्रदेश में होने वाले जलवायु संरक्षण के कार्यों का वैश्विक महत्व होगा। एप्पा के सीईओ श्री लोकश शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश ने गत दो दशक से प्रगति के अनेक आयाम छुए हैं। पर्यावरण के प्रति मध्यप्रदेश सरकार गंभीर है। आगामी माह अजरबैजान में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में राज्य स्तरीय प्री-सीओपी विमर्श-सत्र का आयोजन महत्वपूर्ण है। भारत की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के संबंध में राज्यों की भागीदारी के संबंध में यह अपनी तरह का प्रथम विमर्श कार्यक्रम है। सरकार के साथ समाज की भागीदारी बढ़ाने और पर्यावरण के लिए प्रहरी के रूप में कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के साथ विचार-विमर्श के लिए इस विमर्श कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। कार्यक्रम को पैरवी संस्था के संचालक श्री अजय झा ने कहा कि सदी के अन्त तक तापमान 2.5 डिग्री तक बढ़ने की संभावना है। विज्ञान भारती, केरल के डॉ. विवेकानंद पई ने कहा कि भारत में कार्बन उत्सर्जन 1.8 टन पर केपिटा है, जो कि विश्व की एवरेज केपिटा पर 4.5 टन से कम है। सिकोईडीकोन की सचिव श्रीमती मंजूबाला जोशी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की विभीषका को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री आर.एस. प्रसाद ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित सभी कार्यक्रम सेल्फ ड्रिबेन हो। क्लाइमेट जस्टिस जरूरी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिक परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने आभार व्यक्त किया।

जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास-भारत की प्रतिबद्धता में राज्य का योगदान'' विषय पर भोपाल में पहला राज्य-स्तरीय प्री-कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) परामर्श-सत्र में जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख लीडर्स को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया। भोपाल में यह आयोजन क्लाइमेट चेंज के क्षेत्र में राज्य द्वारा लिया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना गया है। यह परामर्श मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को एक साथ लाने के नवीन दृष्टिकोण को दर्शाता है। कार्यक्रम में 200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्लाइमेट लीडर्स, शासकीय अधिकारी, पर्यावरण विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल हुए। इस विमर्श के केंद्र में मध्यप्रदेश किए जा रहे प्रयासों की विशेष चर्चा हुई, जो भारत के नेशनली डिटरमिन्ड कंट्रीब्यूशन (ह्ष्ष्ह्य) और सतत विकास लक्ष्यों (स्ड्डत्द्ब) को आगे बढ़ाने में महती भूमिका निभा रहे हैं।

माटी शिल्पकार से मिले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खुद बनाये दिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के माटी शिल्पकार श्री लखन कुमार प्रजापति और श्री बबलू प्रजापति द्वारा निर्मित टेराकोटा शिल्प का अवलोकन किया। इन शिल्प में लक्ष्मी माता की प्रतिमा, दिए और अन्य शिल्प शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्री प्रजापति ने चहचहाती हुई गोबर और मिट्टी के मिश्रण से बनी मैजिक चिड़िया दिखाई साथ ही श्रीनाथ जी की प्रतिमा भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री प्रजापति की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने स्वयं भी माटी शिल्प निर्माण में भागीदारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल के लिए पूरे देश के लोगों को प्रेरित किया है। दिए-बाती बनाने वाले, श्रृंगार और साज-सज्जा की सामग्री बनाने वाले कुम्हारों को उनकी बनाई सामग्री के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनकी कला से समुचित आर्थिक लाभ दिलवाने के प्रयास जरूरी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को ऐसे उत्पाद खरीदकर शिल्पकारों को सहयोग करना चाहिए। बाजारों में स्थानीय स्तर पर बनी सामग्री खरीदकर कुम्हारों और श्रमिक भाइयों को हम दीपावली का आनंद दिलवाएं, यह हमारा दायित्व भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक युवक जिसने खोपरा पाक व्यंजन कला के बारे में जानकारी दी,

संपादकीय

धनतेरस से प्रारंभ होता है दीपावली पर्व

दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन

नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के पहले दिन को दर्शाता करता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चैक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था।

एक यूनिट ब्लड

रमाकांत की अचानक तबियत खराब हो गई। रमा ने तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती करा दिया। सारी जांच का प्रोसेस पुरा होने के बाद रिपोर्ट में खून की कमी बताई गई। रमाकांत के दोनों बच्चे विदेश में। रमा ने अपना खून देने हेतू तैयार हो गई,मगर उम्र और अन्य मेडिकली समस्या के कारण संभव नहीं था। डाक्टर ने चेतावनी दे दी,अन्यथा कुछ भी हो सकता है।

रमा चिंतित हो गई, रिश्तेदारों को पता चला अस्पताल में देखने आना शुरू हो गया। हर कोई यही कह रहा, कोई बात हो तो बताना। सच सबको मालूम है,रमाकांत को खून की जरूरत है। मगर किसी में हिम्मत नहीं। सब मौन है। आभासी दुनिया के लगभग पांच हजार मित्र लाईक और कमेंट्स तक सीमित ?। रमाकांत ने दोनों बेटों की शादी में हर एक रिश्तेदार का मन गदगद कर दिया। मगर रमा आज रमाकांत के लिए एक ब्लड यूनिट के लिए उदास है। एक अंजाना कॉल रमा के मोबाईल पर आया। रमा ने हलो किया! आंटी मैं पार्थ बोल रहा हूं, मुझे मालूम पड़ा,?रमाकांत जी को खून की अर्जेंट ज़रूरत है। मेरा खून रमाकांत जी के खून से मैंच हो गया,और मैंने दे भी दिया साथ में मेरे दोस्त ने भी दे दिया। अब कोई खतरे की बात नहीं । रमा ने पूछा! मगर मैंने आपको पहचाना नहीं। पार्थ ने कहा! कोई बात नहीं आंटी। वक्त का भी वक्त होता है। और मोबाईल पर ओके आंटी..नमस्कार। रमा की आंखों में भी आंसू डबडबा गये। डाक्टर ने भी कह दिया,अब चिंता की कोई बात नहीं। दो दिन बाद रमाकांत को डिस्चार्ज कर दिया। रमा की चिंता से रमाकांत वाकीफ थे। मगर ये दुनिया है भाई!,वक्त सब बता देता है, आपके अपने कितने है ।

ओ.पी. बर्वे

काश ! सबके सपने पूरे होते

मेरे स्कूल के रास्ते में ही मंगो बा का मकान था। उनके दो बेटे थे।

गांव में आज भी पुश्तैनी काम ही किया करते हैं।

मंगो बा तो वृद्ध हो गए, लेकिन उनके दोनों पुत्र आज भी वही काम करते हैं।

गांव छोटा होने के कारण वह आसपास के गांव में साइकिल पर झाड़ू का गठर बांध बेचने को जाया करते थे।

उनके दो-तीन बच्चें मेरे विद्यालय में ही पढ़ने को आया करते थे।

उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण, वो सबसे अलग दिखा करते थे।

हालांकि विद्यालय में खाना, कपड़े,किताबें सब मुफ्त में मिलती है,लेकिन वह विद्यालय भी बराबर नहीं आते थे।

वो अक्सर माता-पिता के साथ झाडू बेचने चले जाया करते थे।

इस तरह ना उनकी पढ़ाई बराबर हो रही थी, ना आर्थिक स्थिति ही ठीक हो पा रही थी।

उनका दौर अभावों में ही बीत रहा था।

स्कूल खुले एक महीना हो गया, लेकिन वह अभी तक विद्यालय नहीं आए,तो एक दिन मैं उनके घर चली गई।

मंगो बा तो काफी अस्वस्थ नजर आए। शायद उनकी नजर भी कमजोर हो गई थी।

मेरे वहां पहुंचने का एहसास भी उन्हें नहीं हुआ। मैंने दो बार आवाज लगाई, मंगो बा कैसे हो ? लेकिन उनका कोई जवाब नहीं था।

शायद उन्होंने मेरी आवाज सुनी ही नहीं।

पास बैठी काकी ने जोर से कहा, बहन जी आए हैं।, तो उन्होंने दोनों हाथ जोड़ राम-राम किया।

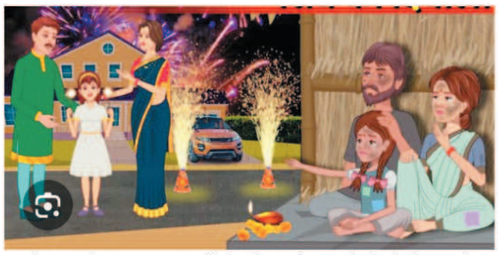

मैंने कुशल क्षेम पूछ, काकी से कहा इन बच्चों को स्कूल भेजा करो।

जमाना बदल गया है। आपकी तो जैसे तैसे निकल गई, पर इनकी मुश्किल होगी।

काकी को तो बात समझ में आ गई ,लेकिन उनके दोनों बेटों को यह बात समझ में अभी तक नहीं आ रही थी।

दोनों मोबाइल चलाने में व्यस्त थे। मेरे आने से उन्हें कोई लेना-देना नहीं था। बच्चे भी खेलने में लगे हुए थे।

उन्होंने गंगा को स्कूल भेजना शुरू किया पर बेटों को वह अपने साथ ही काम पर ले जाया करते थे। कभी दिल्ली ,तो कभी मुंबई।

इस तरह से वह घूमते रहते थे।

जब कभी गांव में रहते। बच्चे स्कूल आया करते थे।

गंगा पढ़ने में ठीक थी। उसे दादा- दादी की देखभाल के लिए यही छोड़कर जाते थे।

गंगा घर का सारा काम कर, समय पर विद्यालय आ जाती थी। अब वह थोड़ी बड़ी हो गई थी। जब अपनी सहेलियों को अच्छे कपड़े पहने देखती या उनके पास कोई नई चीज देखती, तो उसका भी मन करता और वह घर जाकर अपनी दादी से लेने की जिद किया करती थी।

काकी हर बार उसे यही कहते, दीपावली पर लाएंगे।

गंगा हमेशा ही मन मार कर रह जाती।

बहुत दिन हो गए लेकिन अभी तक गंगा के दोनों भाई विद्यालय नहीं आए,तो मैंने सोचा आज घर जाते हुए उनसे मिलकर ही जाऊंगी।

दीपावली नजदीक आ गई। स्कूल में आज से छुट्टियां हो गई। मैं घर जा रही थी ,तो मैंने देखा उनके घर से गंगा के जोर-जोर से रोने की आवाज आ रही थी। छोटे-छोटे बच्चे भी वहां इकट्ठे हो रहे थे।

मेरे विद्यालय की छात्रा है, देर हो रही थी, लेकिन मैं रुकी, फिर मुझे गंगा के भाइयों को पढ़ने के लिए भी कहना था।

मैंने पूछा, क्या हुआ बेटा, क्यों रो रही है?

उसका एक ही जवाब जिसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया, वह कह रही थी। मैम, हमारी दीपावली कब आएगी?

काकी मेरी आवाज सुन अंदर से बाहर आए,कहने लगे बहन जी, यह छोरी तो पागल है। दूसरी छोरिया के बराबरी करती है।

हम गरीब है । सब कुछ नहीं ला सकते, इसलिए इसे ऐसे ही कहते रहते हैं,दीपावली पर लाएंगे।

मैं वहां से तो रवाना हो गई, लेकिन जब तक घर आई ,यही सोचती रही। हमारे सपने कितने बड़े होते हैं, और इनके कितने छोटे, फिर भी वह पूरे नहीं होते।

काश ! सबके सपने पूरे होते।

वीणा वैष्णव रागिनी
राजस्थान

सप्तपदी

कहानी

पापा जी ! आप आ जाइये। आपने हमारी शादी करायी है,अब तलाक भी देख लीजिए।

संध्या के समय फोन पर इतने कठोर शब्द सुनकर मैं सन्न रह गया। पत्नी राधा को सुनाया तो वह विफर परी-- ---आजकल की लड़कियां होती हीं ऐसी है, न शिष्टाचार और न वाणी में मधुरता। फोन कीजिए तो बेटा आशिष को, क्या बात है।

मैंने तुरंत आशिष को फोन लगाया,पूछा कि क्या मामला है।

उसने बताया कि बात सही है। हम लगभग छह माह से अलग रह रहे हैं।तलाक के लिए अर्जी अदालत में दे दी गई है। नौ दिनों बाद दशमें दिन अदालत से तलाक हो जायेगा। सुन कर हम दोनो बहुत दुखी हुए। तुरंत मैंने टिकट के लिए ऐजेंट को फोन लगाया। रात नौ बजे की उड़ान थी। तुरंत तैयार होकर चल दिये। बेटा और बहु मुम्बई में रहते हैं। पर पता नहीं था कि दोनो अलग-अलग फ्लैट में रहते हैं या एक हीं फ्लैट में रहते हैं। एयरपोर्ट पर आशिष आ गया।

वहां पता चला कि दोनो एक ही फ्लैट में अलग-अलग कमरे में रहते हैं, खाने की भी अलग व्यवस्था है। रात में बहु स्वरा से भेंट नहीं हुई। प्रातः वह हमें पराया नजरों से देख कर दूर से प्रणाम कर अपने कार्यालय चली गई। राधा ने हम तीनो के लिए भोजन तैयार की। स्वरा रात के आठ बजे आयी।

उसी समय बेटा और बहू दोनो को पास बुलाया, सामने बैठाया। सोचा, दोनो को समझायें, फिर लगा समझाने से दोनो प्रवचन की तरह मेरी बात एक कान सुनकर दूसरे कान से निकाल देंगें ।इसलिए बस इतना हीं कहा--- तुमलोग मुझे बुलाये हो तो मेरी एक बात मानो।

---- मानने लायक होगी तो मानेंगे। बात क्या है?स्वरा ने रूखे से कहा।

---- तुम्हें साथ रहने के लिए मैं दबाव नहीं दे रहा हूँ। बस यह सप्तपदी है, जिसे शादी में फेरे के समय अग्नि के समक्ष पढ़ा जाता है, उसे पढ़ना है। पहले आशिष

पढ़ेगा और स्वरा सुनेगी ,फिर वह पढ़ेगी और आशिष सुनेगा।-- कहकर मैंने नेट से डाउनलोड किया सप्तपदी का पृष्ठ आशिष के हाथ में दे दिया।

निदेशानुसार आशिष उसे स्वर में पढ़ा, फिर स्वरा। उसके बाद दोनो अपने-अपने काम में लग गये।

दूसरे दिन भी यही क्रम चला।तीसरे दिन स्वरा हमारे लिए दो कय चाय साथ लायी। उसी को बांट कर हम चारो चाय का आनंद लिये।उस के बाद दोनो ने सस्वर सप्तपदी का पाठ किया और अपने-अपने मोबाइल से उसका फोटो खींच कर ले गये।

चौथे दिन प्रातः स्वरा ने हमें चाय पिलायी और राधा को रसोई के काम में कुछ सहायता की । चारो का एक ही साथ भोजन बना। साम में पिछले दिन की तरह चाय पीकर सप्तपदी का पाठ किया गया। उसके बाद दोनो में झगड़ा होने लगा, जो कि देर रात तक चला। राधा दोनो को शांत करने जा रही थी, मैंने मना कर दिया और राधा को लेकर फ्लैट से बाहर आकर लॉन में बैठ गया। बहुत देर तक बैठा रहा। खाने समय अंदर आया,दोनो में लड़ाई चल ही रही थी। राधा ने दोनो का खाना उसके कमरे में रख दी।

दूसरे दिन दोनो देर से उठे। स्वरा की आँखें सूजी हुई थी। लगा कि वह रात में कम सोई या रोयी थी।जैसे- तैसे दोनो नाश्ता किये और एक साथ ऑफिस चले गये। साम में बाहर से हीं आशिष समोसा लेकर आया। स्वरा ने चाय बनायी और आशिष ले आया। सप्तपदी पढ़ने के बाद फिर दोनो में नोक- झोंक होने लगी। राधा को रहा नहीं गया। मध्यस्थता करने लगी, जिसके कारण खाना नहीं बन सका। बाहर से मंगवाना पड़ा।

उसके बाद का दिन ,शनिवार था। किसी को कार्यालय नहीं जाना था।

शांत और शिकायत के माहौल में स्वरा ने राधा के मदद से घर का सारा काम की। साम को सप्तपदी के श्रवण के बाद स्वरा ने कहा ---ये सातो बचन हम दोनो से टूटा है।-- आशिष की ओर मुखातिब होकर बोली कहिये। आप क्यों नहीं कुछ कहते है।

हाँ। बात सही है।--

फिर दोनो में नोक- झोंक शुरू हो गयी।

मैंने दोनो को शांत करते हुए कहा--- तुमलोग को गलती का एहसास हो गया, यह बहुत बड़ी बात है।

कुछ नहीं पापा जी! यह तलाक हो के रहेगा।

सातवें दिन बेटा- बहू मंदिर गये। सामन्य जीवन व्यतीत किये। साम में सप्तपदी के पाठ का पूर्ववत् हुआ।

सोमवार का दिन तलाक के लिए निर्धारित था। आशिष और स्वरा को अदालत जाना था।हमदोनो भी साथ गये। स्वरा के पिता ब्रजकिशोर भी वहां आये थे,तलाक के बाद अपने साथ बेटी को ले जाने के लिए। स्वरा ने एक सप्ताह की छुट्टी ले रखी थी, तलाक के बाद मन की शांति के लिए। अदालत से लौटने के बाद हमसब एक रेस्टोरेंट गये। भोजन का ऑडर हुआ, सब चुपचाप शांति से भोजन करने लगे। मैं चिंतित,सोच रहा था कि लगता है, बहुत सौहार्दपूर्ण वातावरण में तलाक हो गया है। मौन भंग बहु ने की, अपने पिता से यह कह कर -- आप लौट जाईये पापा जी! हमदोनो अदालत में तलाकनामा वापस ले लिए। अब एक सप्ताह के लिए हम गोवा जायेंगे।ब्रजकिशोर हम से विदा लेते समय बोले--- आते हैं श्याम सुन्दर जी!खुशी की बात है।आपके प्रयास से तलाक नहीं हुआ। मुझे क्रेडिट मत दीजिए। समधी साहब!मैंने कुछ नहीं किया। यह सब सप्तपदी का कमाल है।--- कह कर हम हंसते हुए विदा लिये।

पंडित चन्द्रशेखर,
हजारीबाग।
मोबाइल--
9199393438.

एक और भीष्म पितामह!

पिता प्रणेता पिता प्रेरणा पिता व्यवहार हैं ,

पिता कर्म पिता परिश्रम पिता उपकार हैं?।

अनुशासन सत्संग कीर्तन के पावन संगम -

पिता उत्साह पिता उमंग पिता चमत्कार हैं।

अरे भाग्यवान , इन बच्चों की चिंता छोड़ो ।मैं अभी जिंदा हूं। इन बच्चों को मां की कमी महसूस नहीं होने दूंगा। इन सभी को आज से मेरे भरोसे छोड़कर प्रभु स्मरण करो ।वैसे तो रोजाना मानस का पाठ कर रही हो । तीन दिन से %दीन दयाल विरद संभारी हरहु नाथ मम संकट भारी% का जाप कर रही थी। अब जब अवगत सुधारने का मौका आया है, तो बच्चों की माया में पड़ रही हो। माया, मोह, चिंता, छोड़ दो और राम राम का जाप करो, इसी में भलाई है। यह कहते हुए पंडित रामगोपाल ने अपनी पत्नी अनसुईयाबाई के हाथ तीन साल की बेटी के सिर से हटा लिए । पुलिस विभाग में सब उन्हें पंडित जी कह कर बुलाते थे । अनसूया बाई पिछले तीन वर्ष से बीमार थी। बहुत इलाज करवाने के बाद भी स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। इंदौर के सुप्रसिद्ध डॉक्टर मुखर्जी का लगातार एक माह तक इलाज चला। पंडित जी अकेले इंदौर में अपनी पत्नी के पास रहकर इलाज करवाते और साठ किलोमीटर दूर धार जाकर बच्चों को भी देखते

अंततः डॉक्टर ने पंडित जी को अपने केबिन में बुलाकर कह दिया आप अब परेशान मत होइए ।इनका अंतिम समय आ गया है।। मैंने हर तरह की दवाई देकर कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हो रहा है । आप इन्हें घर ले जाइए । इनके पास कुछ ही दिन शेष है। दिन भर बच्चों को याद करके रोती रहती है ।कम से कम आखरी समय बच्चों के सामने रहेगी इनके मन को शांति मिलेगी ।डॉक्टर के कहने पर पंडित जी अपनी पत्नी को अस्पताल से डिस्चार्ज करवा कर घर ले आए ।घर पर ही इलाज होता रहा । एक रात अचानक अनसुईया बाई की तबीयत ज्यादा खराब हो गई । पड़ोसी ने कोतवाली में जाकर पंडित जी को सूचना दी ।वे तुरंत आ गए ।घर आकर देखा पत्नी को उल्टी सांस चलने लग गई थी। वे समझ गए अब अंतिम समय आ गया है

।उन्होंने अनसुईया बाई को भगवान के भजन करने की सलाह दी ।अनसुईया बाई भगवान की भक्त,पूजापाठी थी। आसपास की महिलाएं उनकी भक्ति देखकर उन्हें मीराबाई कह कर बुलाती थी ।रामचरितमानस का नियमित पाठ करती थी। पंडित जी के घर आ जाने के बाद रात भर दीनदयाल विरद संभारी हरहु नाथ मम संकट भारी का भजन गाती रही। सुबह होने लगी। चिड़ियों का चहकना शुरू हो गया। अनसुईया बाई ने अपने हाथों को छोटी बेटी के सिर पर रख दिया। दूसरे छोटे बच्चे भी रो रहे थे । सभी बच्चे उस रात जागते रहे। पंडित जी ने गीता के अठारहवें अध्याय का पाठ किया। मुंह में गंगाजल और तुलसी पत्र डालें । राम राम रटते हुए अनसूया बाई के प्राण पखेरू परमात्मा में विलीन हो गए।

पंडित जी की अग्नि परीक्षा अब शुरू हुई । पत्नी के सामने की गई प्रतीज्ञा उन्हें हमेशा स्मरण रहती। पुलिस की नौकरी करते ,बच्चों के लिए खाना बनाते, झाडू ,पोछा ,बर्तन, सब करते । वेतन कम था । लगातार तीन साल तक पत्नी की बीमारी के कारण कर्जदार हो गए। घर पर काम करने के लिए कोई बाई तैयार नहीं होती। नजदीकी रिश्तेदारों ने दूसरी शादी की सलाह दी । एक रिश्तेदार ने कहा तुम्हारे बच्चे बहुत छोटे हैं। तुम पुलिस की सख्त नौकरी में हो। जहां टाइम टेबल का कोई ठिकाना नहीं रहता । इसलिए बच्चों को संभालने के लिए ही सही कम से कम दूसरी शादी कर लो । बच्चों की पढ़ाई के लिए गांव की जमीन बेच दो। पंडित जी इसके लिए तैयार नहीं हुए। उन्हें मन में आशंका थी ।यदि शादी के बाद बच्चों के साथ भेदभाव किया तो क्या होगा ? वह अक्सर शादी की सलाह देने वालों से कहते मैंने बच्चों की मां को आखरी समय वचन दिया है। वह वचन ही मेरी प्रतिज्ञा है । मैं बच्चों को इनकी मां का भी प्यार दूंगा । बच्चों के साथ भेदभाव मुझसे बर्दाश्त नहीं होगा। सवाल गांव की जमीन बेचने का ,तो वह किसी भी कीमत पर नहीं बेचूंगा । मेरी पुलिस की नौकरी है ।पुलिस वालों की जड़ पत्थर पर होती है । कब क्या हो जाए कुछ नहीं कह सकते? जमीन रहेगी तो कम से कम गांव जाकर बच्चों को पाल तो लूंगा ।

बच्चों के मामा दोनों छोटी बहनों को अपने पास ले गए । पंडित जी का मन दोनों बच्चियों में लगा रहता। वे दोनों छोटी बच्चियों को वापस अपने घर ले आए । बच्चों को नहलाना- धुलाना,चोटी- पाटी, कपड़े धोना ,खाना बनाना, बर्तन पोछा करना, साथ में पुलिस जैसी सख्त ड्यूटी करना पंडित जी की दिनचर्या का अनिवार्य अंग बन गया था । बच्चे बड़े होने लगे पंडित जी का पूरा ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित था। उन्होंने सभी बच्चों को पढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बच्चों की पढ़ाई के लिए उन्होंने अपनी पत्नी के गहने बेच दिए । उनका मानना था बच्चे अगर पढ़ जाएंगे तो ऐसे कितने ही घर खरीद लेंगे। अगर अनपढ़ रह जाएंगे तो घर,जमीन सब बेच कर खा जाएंगे। मेरा नाम बिगाड़ेंगे। लोग कहेंगे बच्चों की मां मर गई थी, कोई ध्यान नहीं दिया ।सारे बच्चे दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं ।इसीलिए, रहेंगे नर तो और बांध लेंगे घर। पूत सपूत तो धन क्यों संचय।

अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने में पंडित जी ने अपना पूरा जीवन लगा दिया । बच्चे बड़े हो गए ।

उच्च शिक्षित होकर सरकारी नौकरियां पा गए। बेटियों की अच्छे परिवारों में शादी हो गई । पंडित जी ने सेवानिवृत्त होकर लंबे समय तक पेंशन ली । सभी बेटे, बहुओं ने अच्छी सेवा की । पूरी उम्र लेकर सन 2004 में स्वर्ग सिधार गए । पुण्यात्मा पिताजी की स्वर्णिम स्मृतियों को शत-शत नमन ।

पिता पर्वत पिता कैलाश पिता अमरनाथ हैं,

पिता सागर पिता सरिता पिता सारनाथ हैं ।

पिता हौंसला प्रेरणा उर्जा स्वाभिमान हमारे -

पिता अयोध्या पिता मथुरा पिता काशीनाथ हैं।

डॉक्टर रमेशचंद्र शर्मा
16 कृष्णा नगर इंदौर

इंदौर के डॉ. जय परियानी को बेस्ट जोनल अध्यक्ष का अवार्ड

इंदौर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश कांक्लेव 2024 में इंदौर के जोनल अध्यक्ष डॉ जयकुमार परियानी को बेस्ट जोनल अध्यक्ष अवार्ड से सम्मानित किया गया है । यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश के विदिशा शहर में दिनांक 26 27 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया।

प्री-प्राइमरी विंग में दीपावली उत्सव मनाया

इंदौर। सिका बालवाटिका, निपानिया के प्री-प्राइमरी विंग में दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। दीपावली, जो बुराई पर अच्छाई की जीत और भगवान राम के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाई जाती है।

कार्यक्रम दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ। इसके पश्चात केजी-1 और केजी-2 के बच्चों ने दीपावली गीत प्रस्तुत किया, जिससे समूचा वातावरण दिव्य हो गया। इसके बाद, केजी-1 और केजी-2 के बच्चों ने दीपावली पर सुंदर भाषण दिए। नर्सरी, केजी-1 और केजी-2 के छात्रों द्वारा रंगारंग दीपावली नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम का समापन सहायक प्रधानाचार्या श्रीमती सोनल खत्रा के दीपावली के महत्व पर उद्बोधन से हुआ।

नेपाल में अपनी कला का रंग बिखेरेंगे भरत नाट्यम कलाकार

इंदौर। नृत्य दर्पण एकेडमी की ओर से प्रथम अंतराष्ट्रीय नृत्य उत्सव का आयोजन काठमांडू नेपाल में हो रहा है। इस आयोजन में संस्था श्री लास्या एकेडमी के बच्चे अपनी नृत्य कला का रंग बिखेरेंगे।

नृत्य गुरु साक्षी मालवी(गुजराती) ने बताया की बच्चो का चयन विभिन्न चरणों में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अंतिम चरण पुणे में आयोजित हुआ था, उसके विजेता कलाकारों का चयन इस अंतराष्ट्रीय नृत्य उत्सव एवम प्रतियोगिता हेतु किया गया है।

नेपाल जाने वाले प्रतिभागी-ईशा मत्रिका कन्नन, अन्वी संभारे, उर्विजा पाटिल, दिविजा पाटिल एवम अन्य सहयोगी। नृत्य गुरु एवम संचालिका श्रीमती साक्षी ने बताया की सभी प्रतिभागी मेरे पास 2 वर्ष से नृत्य सिख रहे है,ये बच्चे कई प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर विजेता बन चुके है।

सेवा से सीखें अभियान चलाया

इंदौर। नेहरू युवा केंद्र इंदौर से जुड़े सभी युवा साथी माय भारत मेरे युवा भारत की प्रथम वर्षगांठ पर केंद्र द्वारा सेवा से सीखें अभियान तहत द्वितीय दिवस स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जिला चिकित्सालय धार रोड इंदौर पर युवा साथियों के साथ मिलकर चलाया।

स्वच्छता अभियान गरीब निर्धन जरूरतमंद को जागृति संस्थान प्रमुख ज्योति मसली टीम द्वारा वस्त्र वितरण चिकित्सा उपचारस्व उसंपर्क विचार विमर्श शासन की योजनाओं पर चर्चा युवा साथी स्वास्थ्य विभाग के साथ बने सहभागी अस्पताल परिसर एवं धार रोड स्क्वायर पर युवाओ ने दी।

सेवा सेवा से सीखे कार्यक्रम तहत डॉ सतीश नीमा डॉ मयंक सोनी अस्पताल प्रमुख गायत्री वर्मा वरिष्ठ पत्रकार जया शेट्टी विष्णु प्रसाद चौधरी सतनारायण मालवीय ज्योति मसली ने स्वास्थ्य सेवाओं के साथ स्वच्छता का दिया।

संदेश किया जागरूक तारा पारगी उपनिदेशक नेहरू युवा केंद्र इंदौर के मार्गदर्शन उपस्थित रहे।

दीप पर्व की बेला में मुक्ताकाश मंच में 'चौक पुराओ, मंगल गाओ' का यादगार आयोजन

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। दीपावली की बेला में पार्श्व में जगमगाते गांधी हॉल के खूबसूरत दृश्य के बीच अभिनव कला समाज के मुक्ताकाश मंच में सुरों की महफिल सजी। गीत संगीत के मेले में सुरों का तालमेल मन को छू गया। आयोजन में गीतों की प्रस्तुति जाने-माने गायक कपिल पुरोहित ने दी।

गांधी हॉल स्थित अभिनव कला समाज के मुक्ताकाश मंच में रविवार शाम संगीत प्रेमियों के लिए खास रही। दीपावली की मधुर बेला को सुरों से खूबसूरत बनाया गया। मुक्ताकाश मंच के रोमांचक संगीत की महफिल की शुरुआत राम स्तुति से की गई। इसके बाद हमारे साथ श्री रघुनाथ तो, और आज गली-गली अवध जैसे गीतों की सुरमई प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में गीतों की प्रस्तुति जाने-माने गायक कपिल पुरोहित ने दी। मैं रंग शरबतों का, ओ रंगरेज, उड़ जा काले कावा तेरे मुंह विच खंड पावा, चौक पुराओ, लुक छिपना जाओ जी, होले होले से हवा लगती, तेरा बिना बे सुवादी, रामा रामा रटते रटते, नगरी ही अयोध्या

सी आदि गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। सह गायिका श्री सिमरजीत कौर। संगतकार थे रूपक जाधव कीबोर्ड, लोकेश उपाध्याय ढोलक, चेतन भौसले तबला, मयंक अकोदिया पैड, प्रशांत गौर गिटार। कोरस कलाकार थे वन्देय भावसार, अवधेश शुक्ला, सहज पंचोली, चेताली राठौर। इस अवसर पर राम दरबार की विशेष प्रस्तुति हुई। श्री जी डांस एंड आर्ट ग्रुप द्वारा दी गई इस प्रस्तुति में रोहित परमार प्रभु श्री राम, विक्की चौहान लक्ष्मण और कविता विश्वकर्मा सीता जी का रूप धारण किया। राम जी के प्रवेश के वक्त राम चौपाई गाई गई। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं ने सामूहिक रूप से बड़े दीपक और फुलझड़ी जलाकर राम जी का स्वागत किया। कार्यक्रम के अतिथि थे पं. सुनील मसूरकर, सुनील जोशी, श्रीद्धांत जोशी, सुदेश तिवारी, शकील अख्तर, कपिल शर्मा महाराज स्वामी। अतिथियों एवं कलाकारों का स्वागत गोवर्धन लिम्बोदिया, प्रवीण खारीवाल, अभिषेक गावड़े, रवि चांक्ला, नितिन माहेश्वरी, बंशीलाल लालवानी, सुदेश गुप्ता, जीतेन्द्र सिंह भाटिया, मीना राणा शाह ने किया। अंत में आभार आलोक बाजपेयी ने व्यक्त किया।

भीख में मांगेंगे दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित अनुकंपा नियुक्ति

नवंबर में करेंगे आंदोलन

इंदौर। प्रदेश के 56 शासकीय अर्ध शासकीय विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के हजारों प्रकरण वर्षों से लंबित हैं, लेकिन नौकरशाही अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का तत्काल निराकरण नहीं कर रही है। इस कारण हजारों दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित अनुकंपा नियुक्ति से वंचित हैं।

दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित अनुकंपा नियुक्ति के लिए विभागीय कार्यालयों में दर-दर की ठोकर खा रहे हैं, लेकिन वर्षों बाद भी अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार प्राप्त नहीं हो रहा है। नौकरशाही दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों का शोषण कर रही है। इसलिए अब दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों ने भीख मांगो आंदोलन के माध्यम से सरकार से अनुकंपा नियुक्ति मांगने का निर्णय लिया है। इसके लिए दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित मप्र कर्मचारी मंच के नेतृत्व में नवंबर में मंत्रालय वल्लभ भवन के सामने कटोरा लेकर भीख मांगो आंदोलन करेंगे तथा विभागों में वर्षों से लंबित अनुकंपा नियुक्ति सरकार से मांगेंगे।

यह निर्णय मप्र कर्मचारी मंच के नेतृत्व में आयोजित बैठक में दिया गया है। बैठक में अशोक पांडे, सुनील पाठक, श्याम बिहारी सिंह, शिव प्रसाद संगुले, श्यामलाल विश्वकर्मा, चांद सिंह, राजेंद्र शर्मा, दिनेश मालवीय, लव प्रकाश पाराशर, हरि सिंह गुर्जर, नन्नू लाल मालवीय, थावरिया भील, मदन मेहरा, बद्री गौर आदि दर्जनों पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे।

सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण में इंदौर के श्री गौरव दुबे को मिला पहला स्थान

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना।

इंदौर के ऊर्जा विभाग के सहायक यंत्री श्री गौरव दुबे ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इन्हें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में इंदौर जिले में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के त्वरित और समाधान पूर्वक निराकरण के लिए कारगर प्रयास किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने श्री गौरव दुबे के कार्यों की सराहना की और उन्हें बधाई दी। बताया गया कि श्री गौरव दुबे ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज सभी 55 प्रकरणों का आवेदकों की संतुष्टि के साथ निराकरण किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशस्ति पत्र में कहा है कि प्रदेश में नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और संतुष्टिपूर्ण निराकरण के लिए सी. एम. हेल्पलाइन (181) का संचालन किया जा रहा है। नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री गौरव दुबे सहायक यंत्री ऊर्जा विभाग जिला इंदौर ने सी.एम. हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उनका वर्ष 2024, माह सितम्बर में प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत संतुष्टि कारक निराकरण करने में सराहनीय योगदान रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आज समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के तहत सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई थी।

उज्जैन एवं चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशनों पर रेल चौपाल का आयोजन

इंदौर। रेल परिसरों में स्वच्छ ता के प्रति जागरुकता एवं स्वच्छ ता को और अधिक बेहतर बनाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के तहत रतलाम मंडल पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार मंडल के विभिन्ना स्टेशनों पर रेल चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में रतलाम मंडल के उज्जैन एवं चित्तौनड़गढ़ रेलवे स्टेशनों पर रेल चौपाल आयोजित की गयी जिसमें यात्रियों एवं रेल कर्मियों के मध्यछ सीधा संवाद स्थापित किया गया तथा रेलवे द्वारा स्वाच्छ ता के बारे में यात्रियों को बताया गया। स्वछच्छ ता विषय पर यात्रियों से फिडबैक लिया गया तथा स्वाच्छगता की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर करने के लिए यात्रियों से सुझाव भी लिये गये।

मंडल पर चलाये गये इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय रेलवे पर स्वचच्छ तापखवाड़ा 4.0 के अंतर्गत चलाये गये इस रेल चौपाल में यात्रियों ने रेलवे के पर्यवेक्षकों को बताया कि पिछले दस वर्षों में रेलवे स्टे शनो एवं ट्रेनों में स्वयच्छता बढ़ी है तथा साफई दिखाई देती है।

केयर सीएचएल अस्पताल और माय एफएम का ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता अभियान

इंदौर। ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए केयर सीएचएल अस्पताल और माय एफएम ने छप्पन दुकान पर रविवार को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने कैंसर के लक्षणों, बचाव के उपायों, और प्रारंभिक जांच के महत्व पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में आरजे रघु ने होस्टिंग की। महिलाओं को डॉक्टरों से ब्रेस्ट कैंसर से जुड़े सवाल पूछने का अवसर मिला। डॉक्टरों ने सभी सवालों के जवाब दिए। सिंगिनि रुप द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने इस आयोजन में खास आकर्षण रहा। नाटक में ब्रेस्ट कैंसर के लक्षणों, जांच, और समय पर उपचार के महत्व को सरल तरीके से समझाया। इस प्रयास से लोगों में जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी मंच मिला।

केयर सीएचएल अस्पताल के निदेशक मनीष गुप्ता ने बताया, +ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में एक गंभीर समस्या है, लेकिन समय पर पहचान और उचित इलाज से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है।

कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित डॉक्टरों का पैनल भी मौजूद रहा। पैनल में रोबोटिक सर्जन डॉ. तनुज श्रीवास्तव, क्लिनिकल डायरेक्टर ओन्कोलोजी डायरेक्टर, रोबोटिक सर्जन डॉ. अश्विन कुमार रंगोले, मेडिकल ओन्कोलॉजिस्ट डॉ. विनय बोहरा, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीना अग्रवाल, गैस्ट्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. नीरज जैन, एनेस्थीसिया विभाग की हेड डॉ. मीनू चड्ढा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजलि मसंद, कार्डियक सर्जरी के क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. मनीष पोरवाल, वरिष्ठ एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. संदीप जुल्का, यूरोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. विपिन शर्मा, और मेडिकल ओन्कोलॉजिस्ट डॉ. राकेश तारण शामिल थे। इन डॉक्टरों ने ब्रेस्ट कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से चर्चा की और समय पर जांच और इलाज की आवश्यकता के बारें में बताया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से मिला 5 माह की नन्ही दिव्यांशी को नया जीवन

जन्मजात न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट रोग से पीड़ित थी, आपरेशन के बाद पूरी तरह हुई स्वस्थ्य, परिवार में छाई खुशियां

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में बेटी का जन्म खुशियों और प्रसन्नता को लेकर आता है। संभाग के दूरस्थ क्षेत्र अलीराजपुर के ग्राम घोंघसा निवासी कलमसिंह भिंडे के यहां बेटी का जन्म हुआ। बेटी के जन्म की बात सुनकर परिवार में खुशियां छा गई थी। लेकिन जैसे ही अस्पताल स्टाफ ने नन्हीं बच्ची को न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट रोग से पीड़ित होने की बात बताई, खुशियां चिंता में बदल गई। परिवारजनों को चिकित्सकों और अस्पताल स्टाफ ने ढांढस बंधाते हुए नवजात बच्ची का इलाज संभव होने के संबंध में काउंसलिंग की तथा जिला चिकित्सालय के आरबीएसके केन्द्र के लिए रेफर किया गया। बच्ची का आपरेशन हुआ और आज नन्हीं दिव्यांशी पूरी तरह से स्वस्थ है। यह सब संभव हुआ है, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की सोच के अंतर्गत इन्दौर संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह के मार्गदर्शन में संभाग के दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की विशेष पहल की जा रही है। इसी पहल के तहत संस्थागत प्रसव को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए विशेष प्रयास हो रहे है। इन्हीं प्रयासों के तहत ग्राम घोंघसा निवासी कमलसिंह भिंडे की पत्नि को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आम्बुआ में प्रसव के लिए भर्ती किया गया। कमलसिंह की पत्नि ने सामान्य प्रसव से बेटी को जन्म दिया। माता पिता सहित पूरा परिवार खुशी से झूम उठे लेकिन उनकी यह खुशी चिकित्सकों द्वारा नवजात बच्ची को न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट रोग से पीड़ित के बारे में सुनते ही काफूर हो गई। चिंतित परिजनों को चिकित्सकों, स्टाफ और आरबीएसके टीम ने बच्ची का इलाज संभव होने की बात बताते हुए बेहतर काउंसलिंग की। नवजात बच्ची को जिला चिकित्सालय स्थित एसएनसीयू में भर्ती किया गया। यहां बेहतर इलाज और इसी दौरान न्यूरल ट्यूब के ऑपरेशन के लिए इंदौर संपर्क किया गया। श्री कलमसिह और उनका पूरा परिवार बेटी आपरेशन और इलाज पर लगने वाले खर्च को लेकर चिंतित थे। न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट रोग से पीडित दिव्यांशी का सफल ऑपरेशन नोबल हॉस्पिटल इंदौर में कराया गया। नन्हीं दिव्याशी के इलाज का पूरा खर्च राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से हुआ। ऑपरेशन के बाद से दिव्यांशी पूरी तरह स्वस्थ है। बच्ची के माता-पिता और अन्य परिजनों की चिंता भी दूर हो गई है। कलमसिंह के परिवार में एक बार फिर खुशियां लौट आई है। श्री कमल सिंह और अन्य परिजनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद देते हुए आरबीएसके योजना के लिए आभार व्यक्त करते है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभाग के दूरस्थ क्षेत्रों में आरबीएसके योजना के तहत व्यापक जागरूकता प्रयासों के निर्देश दिए है।

दीपावली पर निगम भवन पर होगा महालक्ष्मी पूजन

रतलाम। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी निगम भवन पर दीपावली के अवसर पर महालक्ष्मी पूजन 31 अक्टूबर गुरूवार को अपरान्ह 12:15 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर महापौर प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट, नेता पक्ष भगतसिंह भदौरिया, महापौर परिषद सदस्य पप्पू पुरोहित, श्रीमती अनिता कटारा, दिलीप गांधी, धर्मेन्द्र व्यास, विशाल शर्मा, अक्षय संघवी, मनोहरलाल राजू सोनी, रामूभाई डाबी, श्रीमती सपना त्रिपाठी, पार्षदगण एवं निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगें। इसी तरह निगम कार्यालय पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सरस्वती पूजन 3 नवम्बर रविवार को प्रातः 10:40 बजे आयोजित होगा।

42 सी राज्य स्तरीय जूनियर खो खो प्रतियोगिता का नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुई

रतलाम। खो- खो कॉरपोरेशन के तत्वावधान में प्रतियोगिता के समापन समारोह मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, एमआईसी सदस्य भगत सिंह भदोरिया, समाजसेवी राजेश चौहान, मुकेश कटारिया, डॉ राहुल यादव, मध्य भारत खो-खो ऐसोसिएशन सचिव नितिन कोठारी, अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक सुरेश माथुर, समाजसेवी डॉ राहुल यादव, मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित, निलेश गांधी, पवन सोमानी द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया गया। अतिथियों का स्वागत रतलाम खो खो कारपोरेशन के सचिव दुर्गा शंकर मोयल, हार्दिक कुरवारा, प्रदीप पंवार, देवेंद्र वाधवा, कृष्ण प्रजापति, शंकर लाल मालवीय, ललित मालवीय, गुरविंदर डोडियार, हर्ष व्यास, महक बंजारा, बुलबुल प्रजापति, रियांशी गवली, सेजल बंजारा, अर्पित परासिया, गुलाम मोहम्मद, दीपेन्द्र सिंह, महेश डोडियार, अतिथियों का स्वागत किया। रतलाम खो खो कॉरपोरेशन के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने बताया खो-खो बालक वर्ग में विजेता श्योपुर उपविजेता हैप्पी वाण्डर्स इंदौर तीसरा स्थान धार, बालिका वर्ग में विजेता हैप्पी वाण्डर्स इंदौर, उपविजेता श्योपुर, तीसरा स्थान रामबाग इंदौर इस प्रतियोगिता के माध्यम चयनित टीम अलीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका चंदन लोट भरत यादव, स्वप्निल बोसी, नरेंद्र समेलिया, शुभम प्रजापत, सिद्धार्थ मालवीय, दुर्गेश कॉलोनी, पंकज, अभिषेक, सचिन भागों ने की। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा भारती सचिव अनुज शर्मा एवं आभार प्रदर्शन हार्दिक कुरवारा ने किया।

सज्जन मिल श्रमिकों की बकाया राशि भुगतान को लेकर मंत्री काश्यप से मिला प्रतिनिधि मंडल

रतलाम। सज्जन मिल के श्रमिकों की बकाया राशि का भुगतान जल्द कराए जाने की मांग को लेकर श्रमिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने सूरज, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप से मुलाकात की। श्रमिक नेताओं ने मिल श्रमिकों को उनका बकाया भुगतान 1 करोड़ 93 लाख जल्द से जल्द दिलाने की मांग की। मंत्री श्री काश्यप ने प्रतिनिधि मंडल को बताया कि मिल का प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें एमपीआईडीसी पक्षकार बन गया है। श्रमिक प्रतिनिधि अपने स्तर पर न्यायालय में पक्ष रखकर जल्द से जल्द आदेश पारित कराए। शासन द्वारा न्यायालय से आदेशानुसार श्रमिकों को बकाया राशि का भुगतान किया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में श्रमिक नेता मधु पटेल, अर्जुनलाल निमावत, सत्यनारायण सोलंकी, मोतीलाल चौहान, महेंद्रसिंह भाटी, बसंतीलाल साल्वी, ओमप्रकाश चौहान शामिल थे।

गीता मंदिर पर भजन कीर्तन के साथ मनाई रमा एकादशी

रतलाम। सोमवार को गीता मंदिर पर 3 बजे से 6 बजे तक एकादशी संकीर्तन रखा गया। पंडित गोपाल कृष्ण शर्मा द्वारा किए गये। वह तेरे पास ही खेलते हैं सदा तू उसे देख पाने की कोशिश तो कर एक आवाज में सामने आएगी तू उसे बुलाने की कोशिश तो कर वह गले से लगाए तुझे तोड़कर तू जरा पास आने की कोशिश तो कर जैसे भजन किए गए। यह भजन कार्यक्रम के निवेदक गीता मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया। महिलाओं एवं पुरुषों ने आनंद युक्त होकर नृत्य किया।भजन संकीर्तन में वीरेंद्र वाफणांवकर, संजय व्यास, दीपक पुरोहित, नवीन व्यास,हितेंद्र शर्मा, गोपाल शर्मा,मुरलीधर खंडेलवाल, महेश शर्मा, सत्यनारायण मंत्री, रेणु व्यास, प्रतिभा ठक्कर, कल्पना शाह, सुनीता मिश्रा, वंशिका पुरोहित, मुस्कान पुरोहित, अनन्या पुरोहित,अंजलि त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे। 12 नवम्बर मंगलवार देवोत्थान एकादशी को गीता मंदिर में एकादशी धूमधाम से मनाई जाएगी।

उधना-जयनगर एवं जयनगर-उज्जैन के मध्य एक-एक फेरा स्पेशल अनारक्षित ट्रेन का परिचालन

रतलाम। दीपावली एवं छठ के दौरान ट्रेनों में यात्रियों के अतिरिक्त दबाव को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर उधना-जयनगर एवं जयनगर-उज्जैन के मध्य दोनों दिशाओं में एक-एक फेरा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन पूरी तरह अनारक्षित है।

गाड़ी संख्या 09039 उधना-जयनगर स्पेशल 29 अक्टूबर मंगलवार को उधना से 10.15 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(17.30/17.40) एवं उज्जैन(20.05/20.10) होते हुए गुरूवार को 07.00 बजे जयनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09040 जयनगर उज्जैन स्पेशल 31 अक्टूबर गुरूवार को जयनगर से 11.30 बजे चलकर शुक्रवार को 18.15 बजे उज्जैन स्टेशन पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संतहिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजिपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी। गाड़ी संख्या 09039 उधना जयनगर स्पेशल का सूरत, सायण , भरूच, वडोदरा एवं गोधरा स्टेशन पर भी ठहराव रहेगा।

निवेश क्षेत्र से रतलाम का नाम पूरे देश में होगा

रतलाम।

सामाजिक, व्यापारिक एवं प्रबुद्धजन का दीप मिलन समारोह आयोजित

दीपोत्सव पर्व पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने सामाजिक, व्यापारिक एवं प्रबुद्धजन का दीप मिलन समारोह आयोजित किया। इसमें उन्होने कहा कि रतलाम के समीप विकसित होने वाले निवेश क्षेत्र के लिए कई बड़ी कंपनियों के प्रस्ताव आना शुरू हो गए है। इसके विकास के लिए 340 करोड़ का टेंडर स्वीकृत हो चुका है। आगामी फरवरी में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एटलेन एक्सप्रेस वे का लाभ लेते हुए निवेशकों को आमंत्रित करेंगे। निवेश क्षेत्र में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

मंत्री श्री काश्यप ने निवेश क्षेत्र का आशय समझकर रतलाम के युवाओं से आगे आने का आव्हान करते हुए कहा कि इसमें 400 से 450 प्लाट लघु उद्योगों के लिए रहेंगे। उद्योगों में रोजगार हेतु स्थानीय ग्रामीणों को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में फरवरी में होने वाली भोपाल की समिट में जब इसका प्रेजेंटेशन देंगे, तो यह मालवा-निमाड़ और प्रदेश ही नहीं पूरे देश में इसका नाम होगा। विकास के लिए नर्मदा का पानी रतलाम लाने के लिए भी हम कृत संकल्पित है।

श्री काश्यप ने कहा कि खेती-सिंचाई के साथ औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास हो रहे है। सरकार ने हर संभाग में इंडस्ट्रीज कॉनक्लेव किया है, जिसमें निवेश के कई प्रस्ताव आए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जो माहौल प्रदेश में बना है, उसे पूरा देश गंभीरता से देख रहा है। मंत्री श्री काश्यप ने शहरवासियों से वोकल फॉर लोकल का भाव रखने का आव्हान करते हुए कहा कि हर व्यक्ति स्थानीय बाजार जाकर सामान खरीदें। इससे व्यापार को बढ़ावा मिलता है। गांव, शहर, प्रदेश और देश के लिए सोचना ही राष्ट्रवाद है।

उन्होंने कहा कि नव वर्ष में रतलाम विकास की नई गाथाएं लिखेगा, इसके लिए आधारभूत संरचनाएं तैयार हो गई है। विकास की दृष्टि से औद्योगिक क्षेत्र में कनेरी डैम से पानी की व्यवस्था होगी। रिंग रोड बनने से 40 किमी का नया क्षेत्र खुल चुका है। जिला चिकित्सालय का भवन जल्द तैयार होगा। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना चरण-2 में करीब 1200 परिवारों को पक्के मकान देकर रतलाम को झुग्गी मुक्त बनाएंगे। रतलाम के सीएम राइज विनोबा स्कूल ने नवाचार कर पूरे विश्व में शहर का नाम किया है। स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स, ऑडिटोरिया, गोल्ड कॉम्प्लेक्स का कार्य भी प्रारंभ हो गया है। साड़ी कॉम्प्लेक्स एवं एयरपोर्ट के लिए भूमि चिन्हित कर दी गई है। खेलों के विकास के लिए केंद्रीय खेल मंत्री से बड़े खेल सेंटर की मांग की है। रतलाम को कुपोषण मुक्त बनाकर इसमें भी शहर को नंबर एक बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रतलाम के महालक्ष्मी जी के मंदिर में दर्शन के लिए मंगलवार को आ रहे है। उनके माध्यम से भी रतलाम के साथ पूरे प्रदेश में धन-धान्य बढ़े यही कामना रहेगी।

सवा दो साल में श्री काश्यप के मार्गदर्शन में 300 करोड़ के विकास कार्य

दीप मिलन समारोह में जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने कहा कि मंत्री श्री काश्यप की सोच थी कि रतलाम नगर से महानगर बने। यह सपना अब साकार हो रहा है। ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामोर ने कहा कि शहर और ग्रामीण का चोली दामन का साथ है। श्री काश्यप का साथ ऐसे ही मिलता रहे तो ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों को ओर अधिक गति मिल सकेगी। महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि सवा दो साल में श्री काश्यप के मार्गदर्शन में करीब 300 करोड़ के विकास कार्य नगर निगम के माध्यम से नगर में चल रहे है। स्वच्छता में रतलाम को नंबर वन बनाने का जो सपना है, उसे पूरा करने के लिए सबका साथ जरूरी है। पूर्व महापौर शैलेंद्र डागा ने कहा कि भाजपा शासनकाल में पूरा प्रदेश एवं नगर तेजी से आगे बढ़ रहा है। श्री काश्यप ने शहर के सर्वांगीण विकास का बुनियादी ढांचा तैयार कर दिया है। पूर्व जिलाध्यक्ष बजरंग पुरोहित ने कहा कि मंत्री श्री काश्यप का विधायक का दो बार का कार्यकाल सबने देखा है। इसमें नया रतलाम बना है। समारोह का संचालन विधानसभा संयोजक मनोहर पोरवाल ने किया। आभार सिद्धार्थ काश्यप ने माना। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल मौर्य, राजेंद्रसिंह लुनेरा, पूर्व महापौर आशा मौर्य, वरिष्ठ नेता खुर्शीद अनवर, प्रमोद गुगलिया सहित भाजपा के समस्त पदाधिकारीगण, बोहरा समाज से आमिल साहब, ब्रह्माकुमारी बहने और समस्त समाजजन तथा संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

उज्जैन एवं चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशनों पर रेल चौपाल का आयोजन

रतलाम। रेल परिसरों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता एवं स्वच्छता को और अधिक बेहतर बनाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के तहत रतलाम मंडल पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर रेल चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रतलाम मंडल के उज्जैन एवं चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशनों पर रेल चौपाल आयोजित की गयी जिसमें यात्रियों एवं रेल कर्मियों के मध्य सीधा संवाद स्थापित किया गया तथा रेलवे द्वारा स्वच्छता के बारे में यात्रियों को बताया गया। स्वच्छता विषय पर यात्रियों से फिडबैक लिया गया तथा स्वच्छता की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर करने के लिए यात्रियों से सुझाव भी लिये गये।

मंडल पर चलाये गये इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय रेलवे पर स्वच्छता पखवाड़ा 4.0 के अंतर्गत चलाये गये इस रेल चौपाल में यात्रियों ने रेलवे के पर्यवेक्षकों को बताया कि पिछले दस वर्षों में रेलवे स्टेशनो एवं ट्रेनों में स्वच्छता बढ़ी है तथा साफई दिखाई देती है। यात्रियों ने यह भी कहा कि रेलवे के साथ हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम कचरे को यत्र-तत्र न फेंककर डस्टबिन का उपयोग करें। कई यात्रियों द्वारा रेलवे की सफाई व्यवस्था को अच्छा बताते हुए इसमें और सुधार करने के बारे में सुझाव भी दिये गये।

हर्ष गेहलोत प्रदेश कांग्रेस में महासचिव बनाये जाने पर किया स्वागत

सैलाना।

सैलाना के पूर्व विधायक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य कांग्रेस के जिले के कद्दावर नेता, हंसमुख स्वभाव के धनी मिलनसार श्री हर्ष गेहलोत को प्रदेश कांग्रेस द्वारा बनाई गई कार्यकारिणी में श्री गेहलोत को महासचिव बनाये गए हैं जिले में हर्ष कीनियुक्ति से हर्ष का माहौल है नियुक्ति के पश्चात श्री गहलोत के निवासस्थान पर सुबह से ही बधाई देने वालो का तांता लगा हुआ है सैलाना विधानसभा युवक कांग्रेस की ओर से श्री हर्ष गेहलोत का इस अवसर पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया युवक कांग्रेस के राजेश पाटीदार ने बताया कि इस नियुक्ति से सम्पूर्ण जिले में कांग्रेस ओर मजबूत होगी कार्यक्रम में वरिष्ठ सहकारी नेता श्री जगदीश कुमावत पप्पन खां पठान पृथ्वीराज सिंह शक्तावत पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष जगदीश पाटीदार जितेन्द्रसिंह राठौर सैलाना के कांग्रेस पक्ष के सभी पार्षद गण गिरधारीलालजी पाटीदार दिलीप कुमावत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे कार्यक्रम में स्वागत भाषण हनी गेहलोत ने दिया और इस नियुक्ति के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जितुजी पटवारी का।आभार माना कार्यक्रम को पूर्व मंडी अध्यक्ष श्रीराम।चौधरी जगदीश पाटीदार जितेन्द्रसिंह राठौर ने भी सम्बोधित किया इस अवसर पर श्री हर्ष गेहलोत ने अपने उद्बोधन में कहा है कि प्रदेश कांग्रेस ने जो भी जवाबदारी सौंपी है उसको पूरी ताकत लगा कर निभाएंगे श्री गेहलोत ने इस अवसर पर वरिष्ठ नेता द्वय कमलनाथ, दिग्विजयसिंहजी, जीतू पटवारी,उमंग सिंघार जितेंद्र भंवर सिंहजी को जवाबदारी देने पर धन्यवाद ज्ञापित किया और सम्पूर्ण विधानसभा के एक एक कार्यकर्ता से अपील भी की की जनहित के कार्यों के लिए हमेशा ततपर रहे कार्यक्रम के अंत मे आभार नगरपरिषद अध्यक्ष चेतन्यशुक्ल ने माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के वोकल फॉर लोकल के आह्वान पर लोग खरीद रहे हैं कुम्हारों से दिए

रतलाम।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के वोकल फॉर लोकल स्वदेशी अपनाओ' के आह्वान पर जिले में स्थानीय उत्पादित वस्तुओं की खरीदी के लिए लोग आगे आए हैं। रतलाम मुख्यालय एवं जिले के सैलाना, पीपलोदा, जावरा, आलोट, बाजना जैसे कस्बो गांवो में स्थानीय कुम्हार से दीपावली के दिए तथा अन्य सामग्री खरीद रहे हैं।

रतलाम डालू मोदी बाजार में शहर के स्थानीय मुन्नालाल प्रजापति ने ठेले पर दिए एवं अन्य दीपावली संबंधि सामग्री के विक्रय की दुकान लगाई है। उनकी दुकान पर शहर के विष्णु अग्रवाल दिए खरीदते हुए मिले, चर्चा में श्री अग्रवाल ने बताया कि पहले वह लग्जरी दुकान पर सामग्री खरीदने जा रहे थे परंतु मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आह्वान सुनकर वे दिए खरीदने के लिए अपने शहर के मुन्नालाल प्रजापति की दुकान पर आए हैं। श्री अग्रवाल ने लगभग 100 रुपए के दीए खरीदे। उन्होंने कहा कि वाकई मुख्यमंत्री यादव की मंशा अनुसार सभी नागरिकों को स्थानीय प्रजापति समाज के दुकानदारों से ही दिए खरीदना चाहिए जिससे कि यह परंपरागत व्यवसाय उन्नति करें। स्थानीय उत्पादन की खरीदी से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन मिलता है । मुन्नालाल की दुकान पर शहर के दीनदयाल नगर की रहने वाली ग्रहणी श्रीमती मनीषा वसुनिया और अलकापुरी की रहने वाली श्रीमती आभा शर्मा ने भी दीपावली के दिए तथा दीप मालाएं खरीदी। उन्होंने भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान को सराहनीय बताते हुए कहा कि सभी लोगों को स्थानीय उत्पादों को ही खरीदना चाहिए ताकि अपने शहर तथा गांव के प्रजापति समाज के व्यक्तियों को प्रोत्साहन मिले।

रतलाम शहर में डालूमोदी बाजार में मिट्टी के दिए बेच रहे प्रजापति समाज के शिव कुमार ने चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की वोकल फार लोकल की अपील के कारण इस वर्ष मिट्टी के दिए की मांग में गत वर्ष की तुलना में बढ़ोत्तरी हुई है। उनके पडोस में खडे हुए बालू प्रजापति ने बताया कि करीब डेढ दो महीने पहले से ही मिट्टी के दिए, बर्तनों व मूर्तियों के निर्माण में उनके परिवार जुटे हुए थे। इस बार मुख्यमंत्री डा. यादव के आव्हान के कारण अच्छे व्यवसाय की उम्मीद है। उन्होंने समझदारी की बात करते हुए कहा कि मिट्टी के दियों से वायु प्रदुषण कम होता है, स्वदेशी वस्तुओं को बढावा मिलता है। परिवार के हर व्यक्ति को काम मिल जाता है, मिट्टी के दियों की मांग बढने से सबसे ज्यादा लाभ यह हुआ है कि प्रजापति समाज को आजीविका मिलने के साथ-साथ उनकी सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूती मिली है।

करंट लगने से किसान की मौत

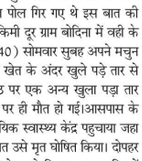

सैलाना। सैलाना से लगे ग्राम बोदिना में आज सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। खेत पर सिंचाई कर रहे एक किसान की खुले पड़े विद्युत तारों पर पैर लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार यह हादसा विद्युत वितरण कंपनी के जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले चार पांच दिनों से ग्राम मचुन जाने वाले रास्ते के बीच आने वाले खेतो में करीब तीन चार विद्युत पोल गिर गए थे इस बात की भनक मृतक को नही थी। सैलाना से चार किमी दूर ग्राम बोदिना में वही के निवासी प्रभुलाल पिता बगदीराम पाटीदार (40) सोमवार सुबह अपने मचुन मार्ग स्तिथ खेत पर सिंचाई कर रहा था कि खेत के अंदर खुले पड़े तार से झटका लगते ही पीठ के बल जा गिरा पीठ पर एक अन्य खुला पड़ा तार चिपक जाने के कारण उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।आसपास के ग्रामीणों एंव परिजनों ने उसे सैलाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया जहा डॉक्टर जितेंद्र रायकवार ने परीक्षण के पश्चात उसे मृत घोषित किया। दोपहर बाद मृतक का पोस्टमार्टम डॉक्टर पदमेश भटेवरा ने किया व शव परिजनों को सौंपा। बताया जाता है कि मृतक की दो बड़ी बेटियां व एक सबसे छोटा बेटा है फरवरी 2025 में दोनो बेटियों का विवाह भी होने वाला था। ग्राम में खबर फैलते ही पूरे ग्राम में शोक की लहर छा गई।

महालक्ष्मी मंदिर की सजावट पूरी , सुबह से होंगे दर्शन

रतलाम।

दीपोत्सव की शुरुआत आज मंगलवार से हो जाएगी। रतलाम के माणकचौक स्थित महालक्ष्मी मंदिर करोड़ों रुपए व आभूषण से सज रहा है। देर रात तक मंदिर की सजावट पूरी हो जाएगी।

आज सुबह सजावट के साथ मंदिर के पट ब्रह्म मुहूर्त में खोला जाएगा। महालक्ष्मी के दर्शन करने प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव भी मंगलवार को आने वाले थे। प्रशासन ने अपनी पूरी तैयारी कर ली। लेकिन उनका आना कैंसिल हो गया है।

एक करोड़ से अधिक के रुपए सजावट के लिए आए

महालक्ष्मी मंदिर की सजावट की तैयारियां अंतिम दौर में है। मंदिर में एक करोड़ से अधिक के रुपए सजावट के लिए आए हैं। इसके साथ सोने-चांदी के आभूषण भी बड़ी मात्रा में आए हैं। मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को

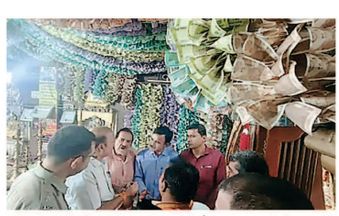

अभिमंत्रित कुबेर पोटली दी जाएगी। माणकचौक क्षेत्र के व्यापारी समेत श्रीमाली ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी मंदिर की सजावट में लगे हैं। 10 रुपए से लेकर 500 रुपए के नोटों के बंदनवार झालर के रूप में मंदिर के अंदर लगाए हैं।

महालक्ष्मी जी के चरणों में चांदी के हाथी भी रखे गए हैं। धनतेरस से भाई दूज तक महालक्ष्मी के कुबेर के खजाने के दर्शन श्रद्धालुओं को होंगे। रतलाम के अलावा बाहर से भी बड़ी संख्या में भक्तों ने रुपए व आभूषण सजावट के लिए दिए हैं।

काफिला लेकर पहुंचे कलेक्टर-एसपी, मैसेज आया सीएम का दौरा कैंसिल

धनतेरस पर महालक्ष्मी जी के दर्शन के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव का आना लगभग तय था। जिला व पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारी कर ली थी। सुबह पुलिस लाइन में एसपी अमित कुमार, एएसपी राकेश खाखा ने सीएम के दौरे को लेकर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी भी लगा दी थी। दोपहर 2 बजे कलेक्टर राजेश बाथम और एसपी कुमार समेत-पुलिस प्रशासन के अधिकारी बंजली हवाई पट्टी से रिहर्सल के रूप में काफिला लेकर माणकचौक महालक्ष्मी मंदिर पहुंचे। अधिकारी गाड़ियों में उतरे, इतने में मैसेज आ गया कि सीएम का दौरा कैंसिल हो गया।

विचार प्रवाह

व्यापार और जीवन में नयी ऊर्जा भरता दीपोत्सव

विविध त्यौहार, उत्सव, और मेले भारतीय संस्कृति की अन्यतम विशेषता है। अच्छी बात यह है कि हमारे सभी त्यौहार कहीं न कहीं संस्कार, संस्कृति, धर्म, अध्यात्म से जुड़े हुए हैं, विज्ञान सम्मत है तथा आस्था और विश्वास की मजबूत नींव पर खड़े हैं।आज के व्यावसायिक जीवन में, अपनों के लिए समय न निकाल पाने वाले माहौल में इन त्यौहारों का महत्त्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इनका प्रमुख उद्देश्य परिवार और समाज को एकजुट करते हुए मानव जीवन में हर्ष , उल्लास, उत्साह,जोश भरते रहना हैं । सभी त्यौहार जीवन में परिवार तथा आस-पड़ोस के महत्व को प्रतिपादित करते हैं तथा पारिवारिक सदस्यों, नाते-रिश्तेदारों,मित्र- मंडली तथा पड़ोसियों के मध्य संबंधों की डोर को मजबूत करते हैं तथा भाईचारा और समन्वय को स्थायित्व प्रदान करते हैं। इन त्यौहारों में दीपोत्सव का विशेष स्थान है क्योंकि यह त्यौहार देश की आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों में बहुत तेजी लाता है, अर्थव्यवस्था को सशक्त करता है तथा आत्म-निर्भर भारत, स्वावलंबी भारत, वोकल फार लोकल भारत, स्वदेशी भारत (आंदोलन) के भाव को जगाता हुआ भारतीय निर्माताओं, विक्रेताओं तथा क्रेताओं के चेहरों पर मुस्कान का कारण बनता है। वास्तव में यह त्यौहार छोटे-बड़े व्यापारियों के लिए, छोटे-बड़े दुकानदारों के लिए पिछले वर्ष के नफे-नुकसान का आंकलन करते हुए कारोबार को नवीन ऊर्जा , नवीन सोच, नवीन विचार, नवीन तकनीक, के माध्यम से नवीन ऊंचाइयों पर पहुंचाने का एक सुनहरा अवसर भी है।

दीपोत्सव के दौरान अधिकांश भारतीय धन की देवी लक्ष्मी,विद्या की देवी सरस्वती तथा सदबुद्धि के देवता श्रीगणेश की पूजा, अराधना करते हैं और समृद्धि की कामना करते हैं।यह पूजन संकेत है कि मनुष्य जीवन में शिक्षा(पढ़ाई-लिखाई, संस्कार-सस्कृति, कौशल आदि),धन(रुपए- पैसा, संसाधन आदि), बुद्धि(विवेक आदि) के महत्त्व को समझे और सोच-विचार कर, सही-ग़लत ,हित-अनहित में अंतर करते हुए आचरण करे।

दीपोत्सव के एक माह पूर्व और एक माह बाद तक व्यापारिक गतिविधियों में तेजी देखी जा सकती है। बाजार सजे-धजे रहते हैं और ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, फिर चाहे वह मॉल हो, या फिर बर्तन, वस्त्र, आभूषण,साज सज्जा, किराना, मिष्ठान-नमकीन-मेवे , गिफ्ट आइटम,पूजा सामग्री तथा भगवान के वस्त्र-आभूषण, आतिशबाजी आदि विविध वस्तुओं की दुकानें हों, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम , वाहन (दो पहिए से लेकर चार पहियों तक) के शोरूम हों या फिर फुटपाथ पर लगी छोटी-छोटी विविध वस्तुओं की दुकानें हों (दीयें , मोमबत्ती,झालर, फल, फूल- माला,धानी , आकर्षक फोटो,मूर्तियां, झाडू आदि) सभी की दीपावली के समय मांग और विक्री बढ़ती है।थोक और फुटकर व्यापारियों द्वारा ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नया स्टाक रखने, नवोन्मेषी उत्पाद लॉन्च करने, विशेष छूट देने आदि के लिए विशेष योजनाएं आरंभ करने का समय होता है । इसीलिए दीपावली से पहले का समय बाजार में प्रतिस्पर्धा का समय होता है, और हर व्यवसायी और दुकानदार विक्री को बढ़ाने के लिए ग्राहक हितेषी नवाचार तथा रचनात्मक रणनीतियाँ का सहारा लेता है।

इन अवसरों पर ग्राहकों की बढ़ी हुई क्रय शक्ति से बाजार में पैसे का प्रवाह अधिक होता है, जो देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाता है। अतः हम विश्वास से कह सकते हैं भारतीय सनातन संस्कृति में इस तरह के त्यौहार, निर्माताओं से लेकर सभी छोटे-बड़े व्यापारियों के लिए एक अवसर होता है, गुणवत्ता युक्त,देशज, स्थानीय उत्पादों की बिक्री के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और पुराने ग्राहकों के साथ संबंधों को और मजबूती प्रदान करने का, स्वयं और देश की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक भूमिका निभाने का । क्रेताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे फुटकर, फुटपाथ तथा स्थानीय लोगों की वस्तुओं, उत्पादों, कलाकृतियों को महत्व दें, उन्हें भी दीपोत्सव मनाने का अवसर प्रदान करें।आज के डिजिटल युग में, ऑनलाइन शॉपिंग का महत्व भी दीपावली के समय बढ़ जाता है। ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म जैसे अमेज़न, फ्लिपकार्ट, और अन्य ऑनलाइन विक्री के माध्यम इस समय विशेष छूट और ऑफरों के साथ ग्राहकों को आकर्षित कर अपनी पहुंच को विस्तार देते हैं।

वास्तव में यह समय निवेश और खपत का होता है, जिससे बाजार में मांग और आपूर्ति का संतुलन बना रहता है। छोटे व्यापारी और कारीगरों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभकारी होता है, क्योंकि वे अपने उत्पादों को बड़े पैमाने पर बेचने का अवसर पाते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन और बिक्री बढ़ने से रोजगार/आमदनी के अवसर भी बढ़ते हैं, जिससे समाज के आर्थिक ढांचे में भी सुधार होता है।

दीपोत्सव न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि व्यापारिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण पर्व है। यह त्यौहार व्यापार जगत में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है, गतिशीलता लाता है,नई संभावनाओं को जन्म देता है और अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है।

डां मनमोहन प्रकाश
स्वतंत्र पत्रकार
मोबाइल 9893022469

दिपावली की खरिददारी के लिऐ राजवाडा पर लगी भीड़।

आयुर्वेद संस्थानों के द्वारा सामुहिक रूम से धनवन्तरी महोत्सव का आयोजन

इंदौर। दीपावली पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाली पांच दिवसीय उत्सव श्रृंखला का प्रारंभ धन तेरस के दिन से होता है, वस्तुतः यह दिन स्वास्थ्य के देवता भगवान धनवंतरी का अवतरण दीवस होने से धनवतरी त्रयोदशी के रूप में जाना व मनाया जाता है। अमृत की प्रप्ती के लिए देवताओं और दानवों ने मिलकर संयुक्त रूप से समुद्र के मंथन किया, उसी समुद्र मंथन से आयुर्वेद के जनक भगवान धनवन्तरी, धन त्रयोदशी (धनतेरस) के पावन पर्व पर विश्व कल्याण हेतु आयुर्वेद व अमृत कलश के साथ अवतरित हुए। भारत सरकार ने इस दिन को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस घेषित किया है। अतः इस दिन को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है । नगर में क्रियाशील आयुर्वेद को समर्पित सभी संस्थाओं के द्वारा इस अवसर पर सामूहिक रूप से धनवन्तरी जयंती महोत्सव एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया जा रहा है। अखिल भारतीय आयुर्वेद महा सम्मेलन के संरक्षक वैद्य (डॉ.) आर.के. वाजपेई , इंदौर जिला अध्यक्ष वैद्य (डॉ.) राजेंद्र शर्मा एवं महामंत्री वैद्य (डॉ.) मो. हनीफ खान ने बताया कि यह कार्यक्रम आयुर्वेद सम्मेलन जिला इन्दौर, आरोग्य भारती इंदौर महानगर, नेशनल इन्टीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन इन्दौर शाखा, विश्व आयुर्वेद परिषद् (शाखा इन्दौर), शासकीय आष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इन्दौर, संभागीय एवं जिला आयुष विभाग (म.प्र. शासन इन्दौर), शुभदीप आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज इंदौर, राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ इन्दौर, एवं म.प्र. आयुर्वेदिक ओषधी निर्माता संघ, आयुष ड्रग मेन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन इन्दौर , आयुर्वेदिक ओषधी विक्रेता संघ इंदौर तथा धनवन्तरी आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में धनवन्तरी त्रयोदशी (धनतेरस) 29 अक्टूबर, 2024 मंगल वार को दोपहर 01:45 बजे गोल्डन जुबली हाल. जी.एस.आई.टी.एस. कॉलेज 23, पार्क रोड़, सर विश्व सरैया मार्ग, इंदौर पर आयोजित किया गया है। धनवन्तरी त्रयोदशी एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में भगवान धनवन्तरी के पूजन के पश्चात् इन्दौर शहर के चिकित्सा जगत से जुड़ी हुई शहर की आठ गणमान्य हस्तियों वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक वैद्य (डॉ.) धर्मेंद्र शर्मा (शिशु रोग विशेषज्ञ , प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष , शा.आष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय,इंदौर), डॉ.आलोक सिंह चौहान (वरिष्ठ पेथालोजिस्ट एवं एलोपेथिक चिकित्सक), डॉ.ओ.पी.कनकने ,(वरिष्ठ इंटिग्रेटेड चिकित्सक), डॉ. शाहिद ज़फर सलीम खान (वरिष्ठ जनरल प्रैक्टिशनर), डॉ.अशोक मोहन्ती (वरिष्ठ होम्योपेथिक चिकित्सक), डॉ.राजकमार जैन (वरिष्ठ योगाचार्य - आस्था योग केंद्र), वरिष्ठ ओषधी निर्माता श्री पुखराज जी जैन (रोज़वेल फार्मास्युटीकल्स) एवं वरिष्ठ औषधि विक्रेता श्री धनराज जी मेंघानी (देवाशीष आयुर्वेदिक मेडिकल हाल) का सम्मान किया जावेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय तुलसीराम सिलावट (केबिनेट मंत्री,मध्य प्रदेश शासन,भोपाल) होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश शास्त्री (मान.प्रांत संघ चालक , राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं सेवा निव्रत डीन , कृषि महाविद्यालय खंडवा) के द्वारा की जावेगी।

स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा से ही समृद्धि का दीपोत्सव मनता है

इन्दौर। प्रकृति का अपना अनुशासनबद्ध, क्रमबद्ध और लयबद्ध संतुलन हुआ करता था जो अब दिनों-दिन बिगड़ रहा है। सर्दी,गर्मी या वर्षा प्रकृति के ऋतु-चक्र हैं जो समय पर या थोड़ा आगे पीछे आते रहते थे लेकिन अब इनका क्रम गड़बड़ा रहा है। मनुष्य विज्ञान के रथ पर सवार होकर प्रकृति पर विजय प्राप्त करने के लिए अग्रसर है। मौसम विभाग द्वारा ऋतुचक्र का पूर्वानुमान काफी हद तक तथ्यगत हो रहा है। धनतेरस पर सिर्फ धन प्राप्ति की कामना की पूजा करने की बजाए, बेहतर स्वास्थ्य के लिए भगवान धन्वन्तरी की भी पूजा करें। उक्त उदगार पर्यावरणविद स्वप्निल व्यास ने व्यक्त किए उन्होंने कहा मालवमंथन हर वर्ष धन्वंतरि जयंती(धनतेरस)पर आरोग्य पूजन का आयोजन करता है।उसी के उपलक्ष्य में शासकीयआयुर्वेद चिकित्सालय,राऊ,इंदौर में औषधीय पौधों का पूजन किया गया चिकित्सालय अधीक्षक डॉ.जगदीश पंचोली ने कहा धनतेरस का दिन स्वास्थ्य की दृष्टि से बड़ा महत्व है। कार्यक्रम में 31 तरह के ओषधीय पौधों का पूजन किया गया जिसमें भगवान धन्वन्तरी के हाथ में दिखने वाली गिलोय प्रमुख थी कार्यक्रम में डॉ.प्राची दलवी, डॉ.विक्रम जैन,डॉ.सारिका लखेरा, डॉ.मोनिका शिल्पी, डॉ.सरिता चौहान, डॉ.शिवदयाल बर्डे प्रो.पुखराज गहलोत, नरेंद्र पंवार, सविता मेवाड़ा,रोहन भारती कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

विहिप, बजरंग दल और मां पराम्बा गो भक्त मंडल

इस बार गोवर्धन पूजा का उत्सव दीपवाली से लेकर गोपाष्टमी तक मनेगा निशुल्क गोबर भी उपलब्ध कराएंगे

इंदौर । विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल इंदौर विभाग एवं मां पराम्बा गो भक्त मंडल द्वारा इस बार गोवर्धन पूजा का उत्सव नगर निगम की गोशाला की 1600 गायों को सजाने और दीपावली 31 अक्टूबर से लेकर 9 नवम्बर तक गोवर्धन पूजा महापर्व मनाने का संकल्प किया गया है। मां पराम्बा गो भक्त मंडल के प्रमुख एवं बजरंग दल-विहिप इंदौर विभाग गो रक्षा प्रमुख योगेश होलानी एवं अभिषेक उदेनिया बताया कि इस बार अनेक गोशाला संचालकों ने भी इन संगठनों के आग्रह पर अपनी-अपनी गोशालाओं से नागरिकों को निशुल्क गोबर प्रदान करने की सहमति भी प्रदान की है ताकि घरों में गोबर से ही गोवर्धन पर्वत का निर्माण किया जा सके। इनमें श्री श्री विद्याधाम गोशाला, उमानंद गोशाला, कृष्ण बलदाऊ गोशाला, पंचकुइया राम मंदिर गोशाला, गोकुलम गोशाला एवं नगर निगम गोशाला तथा आदिनाथ गोशाला के नाम प्रमुख हैं। इन सभी गोशालाओं से नागरिकों को अपनी जरुरत के अनुरूप गोबर उपलब्ध कराया जाएगा। संगठन की ओर से यश बचानी, प्रवीण दरेकर, संतोष वर्मा एवं अविनाश कौशल भी इस अभियान में सहयोग करेंगे। इसके अलावा समाजसेवी शैलेष मूंदड़ा एवं अमोल जिन्दाणी के आतिथ्य में गोवर्धन पूजा का उत्सव नगर निगम की गोशाला में स्वामी अच्युतानंद महाराज के सानिध्य में धूमधाम से मनाया जाएगा और वहां की 1600 गायों को बजरंग दर के कार्यकर्ता मेहंदी, मोरपंख एवं सजावट की अन्य सामग्री से सजाएंगे। गोशालाओं की सेवा समितियां भी गोपाष्टमी तक गोवंश के लिए अन्नकूट महोत्सव भी मनाएंगी। इस अभियान में गोशाला संचालक के साथ जल्द ही महोत्सव को अंतिम रूप दिया जाएगा।

वनस्पति घी या तेल

इस बात का तनिक भी आभास नहीं था कि सितंबर आते आते देश में इतनी बड़ी बहस घी और चर्बी वाले घी पर छिड़ जाएगी। हमने वह दौर देखा है जब वनस्पति घी जिसे एक ब्रांड डालडा के कारण पूरा देश और दुनिया जान गया उसमें मिलावट के बाद बड़ा हंगामा खड़ा हो गया था।90 के दशक तक वनस्पति घी रिफाइंड की जगह यूज होता था खासकर बिहार में। डालडा उसका ब्रांड था लेकिन वनस्पति घी डालडा के नाम से हैं लोगों के बीच में मशहूर हो गया था। पकवान मिठाइयां समोसे जलेबी से लेकर घर में पराठा तक इसी में बनाया जाता था जमाना ब्लैक एंड व्हाइट टीवी से रंगीन टीवी की तरफ बढ़ रहा था। धारावाहिक रामायण के दौर से निकलकर हम सभी महाभारत में प्रवेश कर रहे थे। उसे जमाने में टेलीविजन पर खूब विज्ञापन आते थे उसमें खाने पीने वाले प्रसाद एंड प्रेशर कुकर अगरबत्ती और डालडा विज्ञापन सबसे ज्यादा होता था। वनस्पति घी के कई सारे ब्रांड बाजार में थे जो कई सारी वनस्पतियों से बनाए जाते थे उसे जमाने में हमने कहानी सुनी थी महुआ के पेड़ पर फूल के बाद फल लगता है जिसे कोईन बोलते है। इससे तेल निकलता है जो काफी मीठा होता है जमने के बाद वह भी डालडा जैसा हो जाता है। मीठा होने के कारण उसमें पूरा पकवान ही बनाए जाते थे नमकीन चीज नहीं पर डालडा में सब कुछ बनाया जाता था।भारत में कुछ साल पहले तक वनस्पति घी को सिर्फ डालडा के नाम से जाना जाता था क्योंकि उस समय इसके अलावा देश में दूसरा कोई वनस्पति घी इस्तेमाल नहीं किया जाता था. डालडा का इतिहास कम से कम 90 साल पुराना है. डालडा भारत में इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे मशहूर वनस्पति घी का ब्रांड है. 90 सालों तक हिंदुस्तान यूनिलीवर का एक प्रसिद्ध ब्रांड रहने के बाद साल 2003 में कंपनी ने डालडा को क्ह्तश्च स्ह्स्ह्ञश्चष्ठ कंपनी को बेच

दिया था.डालडा की शुरुआत साल 1937 में हिंदुस्तान युनिलीवर ने की थी. भारत में डालडा का इतिहास आजादी से पहले का है. पिछले 90 साल से भारत में डालडा ब्रांड ने बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई हुई है. साल 1930 में नीदरलैंड की एक कंपनी वनस्पति घी का कारोबार करने के उद्देश्य से भारत आई थी जिसने यहां डाडा नाम से वनस्पति घी के ब्रांड की शुरुआत की.90 के दशक तक 'डालडा' भारत का नंबर वन ब्रांड बन चुका था. मार्किट में इसकी अपनी एक अलग पहचान थी. लेकिन 90 के दशक के अंत तक इसका व्यवसाय सिकुड़ने लगा. क्योंकि अन्य भारतीय कंपनियां भी 'वनस्पति घी' का विकल्प लेकर मार्केट में आ चुकी थीं. इस दौरान कुछ कंपनियों ने अफ़वाह फैलाई की 'डालडा' द्वारा 'वनस्पति घी' में चर्बी मिलाई जाती है. हालंकि, ये अफ़वाह मात्र ही रही.21वीं सदी की शुरुआत के साथ ही कई कंपनियों ने 'वनस्पति घी' के विकल्प के तौर पर 'रिफ़ाइंड ऑइल' की शुरुआत कर दी. इस दौरान मार्केट में भारी मात्रा में मूंगफली, सूरजमुखी, तिल, सोयाबीन आदि के 'रिफ़ाइंड ऑइल' आ गए जो उस वक़्त 'डालडा' की तुलना में सस्ते थे. इस दौरान 'डालडा' की विरोधी कंपनियों ने ऐसे विज्ञापन बनवाये जिसमें दिखाया गया कि 'रिफ़ाइंड ऑइल' की तुलना में 'डालडा' सेहत के लिए बेहद नुकसानदेह है

गमन्या शंकर विजयनगर,

इनके मरने पर किस को अफसोस होगा

सत्य साई चौराहा दोपहर 12:15 बजे यातायात नियम उल्लंघन करते हुए किसी दुर्घटना का शिकार हो जाना ऐसा पाप है जिसका प्रायश्चित पूरे परिवार को ताउम्र करना पड़ता है।

रंगोली प्रतियोगिता में सलोनी पांचाल रही प्रथम

बेटमा युवा शक्ति युवक मंडल ने किया था आयोजन

देपालपुर, बेटमा:- बेटमा युवाशक्ति युवक मंडल के तत्वाधान में रविवार को 12वें वर्ष बियानी गार्डन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्व का जागरण एवं नागरिक अनुशासन विषय पर छात्राओं ने एक से बढ़कर एक रंगोली उकेरी। प्रतिभागियों को जिला सह संयोजक एवम सामाजिक कार्यकर्ता तरुण बियाणी, सांसद प्रतिनिधि निलेश उपाध्याय, उप निरीक्षक ज्योति राजपूत ने छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता से लेकर आत्म रक्षा, कानूनी सलाह, गुड टच बेड टच सहित कई महिला सम्बंधी जानकारीयों से अवगत कराया। रांगोली जजमेंट के रूप में पूजा दुबे, कृतिका दुबे, शिवानी गोयल, रानी पांचाल थी। रांगोली प्रतियोगिता में शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय की सलोनी जितेंद्र पांचाल प्रथम रही। पलक सिंह राजपूत दूसरे स्थान पर तो पूनम राजेश वर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीमा डाबी, सुहाना पेरुलिया, काजल राठौर, अंजली अजमेरा, बुलबुल राठौर, खुशी, अनामिका व दिव्या पांचाल ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार आयोजक भूपेंद्र पंचोली ने माना।

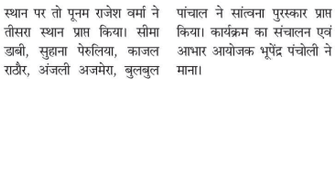

सपनों के मैदान में झाड़ू की चुटकी

मोहल्ले के नुक्कड़ पर बच्चे जमा थे। मैदान की मिट्टी में किसी फुटबॉल से कम और किसी बेवजह की बहस से ज्यादा खेल हो रहा था। तभी बगल की पान की दुकान से एक सज्जन निकले, सफ़ेद कुर्ता-पजामा, हाथ में पान और चेहरे पर एक ऐसी मुस्कान, जैसे अभी-अभी दुनिया को बचाने का कोई नया तरीका खोज लिया हो। बच्चों की तरफ बढ़ते हुए बोले, अरे भई, क्या खिचड़ी पक रही है? बच्चों ने थोड़ी देर उसे देखा, फिर एक ने जवाब दिया, कुछ नहीं चाचा, बस खेल रहे थे, अब बैठ गए आराम करने। चाचा ने पान की पीक को थूकते हुए कहा, अरे वाह, आराम! बड़ा काम किया है जैसे। तुम लोगों की उम्र में तो हम आराम की जगह मैदान को सुधारने के बारे में सोचते थे। एक बच्चा जो अब तक चुप बैठा था, बोला, हम भी यही सोच रहे हैं, चाचा। सोच रहे थे कि ये मैदान थोड़ा साफ-सुथरा हो जाए, तो खेल अच्छा हो जाएगा। चाचा ने हल्की सी हंसी दबाते हुए कहा, अरे, वाह! बड़े-बड़े ख्वाब देख रहे हो। मैदान साफ करोगे, फिर क्या? बगल में ताजमहल भी बना लोगे? सब बच्चे हंसने लगे, लेकिन वो एक बच्चा थोड़ा गंभीर था। बोला, हमने सोचा है, चाचा, यहां पेड़-पौधे लगाएं, साफ़-सफ़ाई करें, ताकि खेलने में मज़ा आए। चाचा ने एक और पीक थूकते हुए कहा, वाह, बेटा, ये तो खूब कहा। लेकिन तुमने कुछ किया? या बस सोचा है?

बच्चे ने थोड़ी झेंपते हुए कहा, अभी सोचा है, चाचा। करने का तरीका नहीं पता।

तरीका! चाचा ने ठहाका मारते हुए कहा, तरीका पूछ रहे हो! आजकल के बच्चे बड़े होशियार हैं। तरीका चाहिए, मेहनत नहीं। हमें तुम्हारी उम्र में कौन सा तरीका दिया गया था! खुद उठो, काम करो, यही तरीका था। बच्चे अब थोड़ा असहज हो गए थे। एक बोला, लेकिन चाचा, हम छोटे-छोटे हैं, हमसे क्या होगा? चाचा ने अब सीरियस होकर कहा, बस यही बात है। तुम लोग सोचते हो कि छोटे हो, तो कुछ नहीं कर सकते। गांधीजी भी तो छोटे ही थे जब उन्होंने सोचना शुरू किया था। कभी सुना है कि उन्होंने %तरीका% पूछा हो? सब बच्चे थोड़े चुप। फिर वो बच्चा जो मैदान सुधारने की बात कर रहा था, बोला, तो चाचा, हम क्या करें? पहले तो ये मैदान साफ करो। अपने हाथों से। रोज थोड़ा-थोड़ा। और जब लोग देखेंगे कि तुम खुद मेहनत कर रहे हो, तो वो भी आएंगे मदद करने। लेकिन तुममें हिम्मत चाहिए। सिर्फ़ बातें करने से कुछ नहीं होता। चाचा की आवाज़ में अब थोड़ी सख्ती थी। एक बच्चा, जो शायद काम से थोड़ा घबराता था, बोला, पर चाचा, अगर हम साफ़ करें और फिर लोग वापस गंदा कर दें तो?

चाचा ने अब पान को मुंह में एक किनारे किया, तो तुम हार मान लोगे? क्या गांधीजी ने इस डर से आंदोलन रोक दिया था कि अंग्रेज फिर से राज कर लेंगे? बच्चे अब थोड़े और गंभीर हो गए थे। एक बोला, लेकिन चाचा, हम अकेले करेंगे तो क्या होगा?

अरे भई, अकेले ही तो सब शुरू होता है। एक कदम बढ़ाओगे, तभी लोग तुम्हारे साथ आएंगे। पर तुम पहले हार मानने लगे तो फिर कैसे होगा?

चाचा की बातें सुनकर बच्चों के चेहरे पर अब थोड़ी उत्सुकता आई। तो चाचा, हम कल से ही शुरू कर दें? एक बच्चा बोला। चाचा ने अब पान की आखिरी बचे क़तरे को चबाते हुए कहा, अरे बेटा, कल क्यों? अभी से शुरू करो! ये मैदान तुम्हारा है। तुम इसे सुधरोगे, तो ये खुद सुधरेगा। लेकिन याद रखना, मेहनत का कोई दूसरा तरीका नहीं होता। बच्चे अब तय कर चुके थे। सब ने सिर हिलाया, और प्लानिंग शुरू हो गई। चाचा मुस्कुराते हुए वहां से चलते बने, मानो उन्होंने संसार का कोई बड़ा रहस्य बच्चों के कान में फूंक दिया हो। अगले दिन बच्चे मैदान में पहुंचे। थोड़ी झाड़ू, थोड़ी सफ़ाई, थोड़ी हंसी-मज़ाक। लेकिन शाम होते-होते मैदान में कोई खास फर्क नहीं पड़ा। चाचा फिर वहीं से गुज़रे। देखा बच्चे मेहनत में लगे हैं, लेकिन चेहरों पर थकावट और निराशा साफ़ झलक रही थी। क्यों भई, आज मैदान कितना बदला? चाचा ने ताना मारा। बच्चे थोड़े मायूस थे, चाचा, हमने बहुत किया, लेकिन कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। चाचा ने गहरी सांस लेते हुए कहा, अरे बेटा, दुनिया बदलने के लिए एक दिन की मेहनत से कुछ नहीं होता। ये तो रोज़ का काम है। पर तुमने कोशिश की, यही काफ़ी है। बाकी तो वक्त बताएगा। फिर चाचा ने बच्चों की तरफ़ देखा, कुछ सोचने लगे, पर कभी-कभी सोचता हूँ.. शायद ये सब सिर्फ़ बातें ही रह जाएं। मैदान तो गंदा ही रहेगा, और हम लोग बस यूं ही सपने देखते रहेंगे... और इतना कहकर चाचा ने मुंह फेर लिया। उनकी आँखों में एक गहरा दर्द था, जो बच्चों ने पहली बार देखा था। वो चले गए, और मैदान में बस बच्चे रह गए... मैदान उतना ही गंदा था जितना पहले था।

शिशु मंदिर की बालिकाओं ने बनाई रंगोली

जावरा । सरस्वती शिशु मंदिर सरस्वती पुरम पहाड़िया रोड़ पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक रंगोलियां बनाई गई। इसी क्रम में विशेष रूप से महिलाओं का सम्मान करने के लिए रंगोली के माध्यम से संदेश देते हुए रिस्पेक्ट वूमेन रंगोली बनाते हुए सभी छात्रों ने अपील करते हुए कहा कि

बालिकाओं-महिलाओं का घर-परिवार व समाज में सम्मान होगा तभी घर व्यवसाय में लक्ष्मीजी का आगमन होगा। इस मौके पर विद्यालय के समस्त छात्र- छात्राओं द्वारा फटाके फोड़े गए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 70 वर्ष से अधिक वृद्धजनों के लिए आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना का शुभारंभ 29 अक्टूबर को

रतलाम । शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय का भूमिपूजन भी करेंगे रतलाम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 29 अक्टूबर को वर्चुअल रूप से 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वृद्धजनों का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत शामिल किए जाने की योजना का शुभारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के यू विन पोर्टल सहित अनेक डिजिटल नवाचारों को भी लॉन्च किया जाएगा। इसके अलावा शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय रतलाम का भूमिपूजन भी प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की विशिष्ट उपस्थिति में किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप एवं सांसद श्रीमती अनीता नगर सिंह की गरिमामय उपस्थिति भी रहेगी। इस अवसर पर रतलाम जिला मुख्यालय पर शासकीय डा. लक्ष्मीनारायण मेडिकल कालेज में कार्यक्रम आयोजित होगा जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा व सुना जाएगा।

आज से होगा पांच दिवसीय दीपोत्सव प्रारंभ

धन तेरस पर साढे तीन करोड़ के व्यापार की संभावना

जावरा । धन की देवी लक्ष्मी की आराधना के साथ उत्साह, उमंग तथा हर्षोउल्लास का पर्व दीपावली का पांच दिवसीय पर्व मंगलवार से प्रारंभ हो रहा हैं। दीपोत्सव के स्वागत के लिए हर कोई अपने-अपने स्तर पर तैयार है, बाजार ग्राहकों से पटे है तो दुकाने भी खाली नही हैं।

भरपूर वर्षा के बाद हुई पैदावार के बाद इस वर्ष दीपावली में बाजारों में खासी रौनक रहने के आसार हैं। नगर के साथ अंचलों में भी दीपोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा हैं। इधर नगर का फटाका मार्केट भी इकबाल गंज मैला मैदान में सज गया हैं, परंतु पिछले वर्षो की तुलना में काफी कम दुकाने लगी है वहीं ग्राहकी भी कमजोर है। वहीं बाजारों में रंगोली के रंगो के साथ छड़ी फुंदे की दुकाने भी सज धज कर तैयार है।

नगर सजा दुल्हन की तरह

नगर की सभी बाजार दुल्हन की तरह सजे हुए हैं, इलेक्ट्रानिक व्यापारी ग्राहकों को अपनी और रिझाने के लिए नीत नए-नए जतन कर रहे हैं, कही ड्रा की धूम हैं तो कहीं स्क्रेच कार्ड तो कही ईनामी कुपन मिल रहे हैं।

धन तेरस से लेकर भाईदूज तक मनाए जाने वाले दीपावली त्यौहार का लोगों को वर्षभर से इंतजार रहता है। चाहे गरीब हो, अमीर हो या मध्यम वर्गीय सभी इस त्यौहार को लेकर खासी तैयारियां करते हैं। दीपावली को महालक्ष्मी की पूजन के साथ त्यौहार का उपसंहार हो जाता है।

धन तेरस का है महत्व

भाई दूज और गोवर्धन पूजा तक त्यौहार चलता रहता है लेकिन व्यापारियों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए धनतेरस का कुछ ज्यादा ही महत्व रहता है। धनतेरस पर इलेक्ट्रानिक और घरेलू सामान की बिक्री के रिकार्ड तक टूट जाते है। इस बार 3.5 करोड़ के व्यापार होने की संभावना है। बाजार उपभोक्ता सामग्रियों से पटे पड़े हैं। जिन्हें वस्तुएं खरीदना है उन्होंने धनतेरस या दीपावली का इंतजार नहीं करते हुए गुरू पुष्य नक्षत्र के दिन ही अपनी मनचाही वस्तुए खरीद ली। जिसमें प्रमुख रूप से सोना-चांदी, दो एवं चार पहिया वाहन, इलेक्ट्रानिक वस्तुए, फर्नीचर, बर्तन आदि की विशेष रूप से खरीदी की। पिछले कुछ दिनों से बाजार में उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री इसी बात का संकेत देती है। यह अलग बात है कि व्यापारी वर्ग अच्छी ग्राहकी के बाद भी ग्राहकों के अभाव को प्रचारित कर रहे हैं।

छड़ी फुंदे भी सजे

कृषकों का सबसे बड़ा धन खेती और उनके पशु होते हैं। दीपावली पर पशुओं को सजाने के लिए छड़ी फुंदे आदि की दुकाने भी बड़ी मात्रा में पुरानी धान मंडी के साथ ही शहर के अन्य क्षेत्रों में सजी हुई है। इन पर आशानुरूप ग्राहकी भी जोरदार चल रही है। दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा पर पशुधन की पूजा भी होती है।

जोयो होटल से भूतेड़ा तक बन रहे 4 ओवर ब्रिज, अर्थव्यवस्था होगी चोपट

डीपी धाकड़ ने रहवासियों के साथ कलेक्टर के नाम तहसीलदार को दिया ज्ञापन

जावरा । शहर के जोयो होटल से भुतेड़ा तक 4 ओवरब्रिज बनाए जा रहे है। उज्जैन जावरा फोरलेन निर्माण कार्य प्रगति पर है। दीपावली बाद भूमि अधिग्रहण के लिए नोटिस भी जारी होगे।

जिससे की जावरा की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी, जिसे देखते हुए अन्य उपाय तलाश कर विचार किए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस किसान नेता व जिला पंचायत सदस्य डीपी धाकड़ ने क्षेत्रवासियों के साथ कलेक्टर के नाम तहसीलदार संदीप इवने को ज्ञापन दिया। 10 से 12 बजे तक ज्ञापन देने का इंतजार करने के बाद भी कोई ज्ञापन नही लेने आए तो रहवासी सड़क पर बैठ गए। फिर तहसीलदार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन देते हुए बताया कि शहर की नई दिशा बदलने के लिए जावरा-उज्जैन फोरलेन पर बडे पुलो का निर्माण तेजी से चल रहा है। जिसमें जोयो होटल से लगाकर भुतेड़ा बायपास तक करीब 4 ओवरब्रिज बनाने की स्वीकृति हो चुकी है। इसी डिजाईन से कार्य किया गया तो पूरे शहर की व्यवसायिक अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। 4 ओवरब्रिज एवं वर्तमान में रेलवे ओवरब्रिज के साथ प्रस्तावित लुहारी फंटा तथा 8 लेन से मानो ऐसा लगेगा कि पूरे जावरा शहर को ओवरब्रिजों ने पहाड़ी के रूप में घेर लिया है। शहर में एक साथ इतने ओवरब्रिज से चारो ओर विकास रूक जाएगा और भविष्य के लिए कोई गुंजाईश नही बचेगी।

जब यह बायपास बना तब से लेकर आज तक कई वर्षो से यहां छोटे-बडे व्यापारियों ने अपने संस्थान को बनाकर जनमानस को उससे जोड़ने में लंबा समय लगाया, तब जाकर यह क्षेत्र व्यवसायिक क्षेत्र बना। क्षेत्रवासियों ने उज्जवल भविष्य को देखते हुए यहां पर कृषि व व्यवसायिक भूमि चौराहो को चमन करने के लिए जीवन की पूरी पुंजी अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए लगा दी। अब यह रोड़ जावरा का पूर्ण रूप से महत्वपूर्ण व्यवसायिक केन्द्र बन चुका है तब प्रशासन चारों ओर ओवरब्रिज बनाकर सभी का व्यापार खत्म करने पर अड़ा है। व्यापारियो ओर क्षेत्रवासियों की समस्या को देखते हुए जोयो होटल, हुसैन टेकरी चौराहा, धाकड़ चौराहा, कृष्णा होटल चौराहो पर अन्य उपायों पर विचार करने की मांग रहवासियों ने की है। चेतावनी देते हुए कहा कि ध्यान नही दिया तो जावरा क्षेत्र के जनमानस आंदोलन करने पर मजबुर होगे।

महासचिव बनने पर पूर्व नपाध्यक्ष कड़पा का किया स्वागत

जावरा । पूर्व नपाध्यक्ष मोहम्मद यूसुफ कड़पा को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव पद पर नियुक्त होने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा स्वागत-सम्मान किया गया। स्थानीय नगर पालिका परिसर में आयोजित सादे समारोह में प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी में पुनः महासचिव बनाए जाने पर मो. यूसुफ कड़पा का पुष्पमालाओं से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों ने स्वागत कर बधाईयां दी। इस मौके पर नपाध्यक्ष अनम कड़पा, उपाध्यक्ष सुशील कोचड़, सुजानमल कोचड़, अभय सुराणा, राजस्व समिति चेयरमैन लोकेश विजवा, मसूद परदेसी, जलकर चेयरमैन मुस्तकीम मंसूरी, पार्षद प्रतिनिधि निजामुद्दीन पेपा पहलवान, पार्षद प्रतिनिधि आमिर खान, राजेन्द्र कल्याणे, चेयरमैन प्रतिनिधि अनिस कल्याणे, पार्षद प्रतिनिधि शौकत कुरैशी, चेयरमैन आसिफ कबाड़ी, प्रेम गुजराती आदि उपस्थित थे।

संजीवनी फाउंडेशन व लायंस एक्टिव ने बस्तियों में बांटे दीपक, मिठाई और फल

जावरा । दीपोत्सव त्यौहार में घर-घर दीपों की रोशनी के साथ खुशियां हो इसी उद्देश्य से संजीवनी फाउंडेशन एवं लायंस क्लब एक्टिव ने संयुक्त रूप से समाज के अभिन्न अंग जो इस खुशियों से वंचित न हो इसलिए बस्तियों में जाकर दीपक, बत्ती, फलों का वितरण किया। फाउंडेशन संस्थापक यश जैन व एक्टिव अध्यक्ष पारुल गर्ग ने बताया कि धर्म की दृष्टि से दीपावली त्यौहार का ऐतिहासिक महत्व है। दीवाली भगवान श्रीराम रावण पर विजय पाकर अयोध्या लोटे, तब उनके आगमन पर दीप जलाकर स्वागत किया गया, जिसे रोशनी के त्यौहार के रूप में जाना जाता है। इस मौके पर लायंस क्लब झोन चेयरमैन आनंद गर्ग, सचिव डॉ. श्याम पाटीदार, फाउंडेशन सदस्य पुनीत जैन, वैभव रांका, दिव्य छाजेड़, वैभव चोपड़ा, दिनेश वर्मा आदि सदस्य उपस्थित थे।

सेंट पॉल स्कूल की दिवाली दीनबंधु के संग, किए वस्त्र वितरित

जावरा । त्यौहार वो सार्थक और आनंद दायक होता है जिसमें स्वयं के कारण औरों के चेहरों पर खुशी आ जाए। मूणत फाउंडेशन और स्थानीय सेंट पॉल कॉन्वेंट स्कूल ने वृहद वस्त्र दान तथा सेंट पॉल कॉन्वेंट स्कूल ने महा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में जरूरतमंद लोगों की मदद करना और विद्यार्थियों में सेवा भावना का विकास करना था। इस दौरान विद्यालय परिवार के साथ विद्यार्थियों ने अपने घरों से उपयोगी कपड़े एकत्रित कर चौपाटी स्थित शांति वन बस्ती, गीता भवन बस्ती में विद्यार्थियों द्वारा वितरित करवाए गए। उक्त अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल दान के महत्व के बारे में जानकारी मिली बल्कि उन्होंने समाज सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझा।

प्राचार्य देवेंद्र मूणत ने भविष्य में भी इस प्रकार के सेवाभावी कार्यों को जारी रखने का संकल्प दिलवाया। इधर विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और कला कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। छात्रों ने अपने रंगोली डिजाईनों में पारंपरिक और आधुनिक थीम का मिश्रण प्रस्तुत किया। कुछ ने दीवाली, राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर सुंदर रंगोलियां बनाई। मैनेजर भाविक मूणत ने रंगोली डिजाईनों की सराहना करते हुए छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता ने न केवल विद्यार्थियों की कला प्रतिभा को प्रकट किया बल्कि भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के प्रति उनके जुड़ाव को भी दर्शाया तथा लगभग 800 विद्यार्थियों ने भाग लेकर इतिहास रचा।

पिछडा, अल्पसंख्यक वर्ग हेतु मुख्यमंत्री स्वरोजगार/उद्यमी योजना अन्तर्गत आनलाईन आवेदन आमंत्रित

रतलाम। म.प्र. शासन पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्य कल्याण अन्तर्गत मुख्यमंत्री पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम योजना संचालित की जा रही है जिसके अन्तर्गत पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र हितग्राहियों को उद्यम स्थापित करने हेतु ब्याज अनुदान सहित कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। सहायक संचालक पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण ने बताया कि उद्यम योजना अन्तर्गत विनिर्माण उद्योग इकाई हेतु परियोजना सीमा राशि रुपए 1 लाख से 50 लाख एवं सेवा इकाई तथा खुदरा व्यवसाय हेतु राशि 1.00 लाख तथा 25 लाख तक तथा आवेदनकर्ता की पात्रता की आयु 18 से 40 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण एवं परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपए तक तय की गई है। मुख्यमंत्री पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है जिसके अन्तर्गत पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु ब्याज अनुदान सहित कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें स्वरोजगार योजना अन्तर्गत सभी प्रकार के स्वरोजगार हेतु परियोजना सीमा राशि 10 हजार रुपए से 1 लाख रुपए तक तथा आवेदनकर्ता की पात्रता आयु 8 से 55 वर्ष, आयकर दाता न हो। उपरोक्त मुख्यमंत्री पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम तथा स्वरोजगार योजना में इच्छुक आवेदनकर्ता द्वारा समस्त पोर्टल पर आनलाईन आवेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

बादशाह ने शुजा गौहर को दूसरा मौका दिया

इंडियन आइडल सीज़न में जज बादशाह, श्रेया घोषाल और विशाल ददलानी अनूठी आवाज़ वाले बेस्ट टैलेंट की तलाश में होंगे। कश्मीर के शुजा गौहर सबसे होनहार प्रतियोगियों में से एक बनकर उभरे ।ऑडिशन के दौरान, शुजा ने अनुरोध किया कि अगर उन्हें रिजेक्ट कर दिया जाता है तो वे टेलीविज़न पर उनका ऑडिशन न दिखाएं, क्योंकि वह नहीं चाहते कि उनकी कहानी को असफलता के साथ याद रखा जाए। बादशाह इस अनुरोध को लेकर उत्सुक हो गए और उन्होंने उनसे अपनी कहानी साझा करने को कहा। शुजा ने बताया, नौ साल पहले, मेरी मुलाकात एक लड़की से हुई थी लेकिन जब उसके माता-पिता को पता चला तो हालात बदल गए। र मैं चंडीगढ़ चला गया और बाद में मुझे पता चला कि वह भी पास में ही रहती थी लेकिन हम मिले नहीं। मुझे लगता है कि मैं म्यूज़िक में जो कुछ भी करूंगा, वह मुझे उससे जोड़ेगा। आज का परफ़ॉर्मेंस भी उसे ही समर्पित है। ऑडिशन में शुजा का पहला गाना 'फितूर' था, लेकिन दुर्भाग्य से, वह जजों को प्रभावित नहीं कर पाएं। बादशाह ने शुजा से पूछा कि क्या वह मोहित चौहान का 'मसकली' गाएंगे, जिससे विशाल संशय में पड़ गए। लेकिन शूजा ने इस गाने पर बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस देकर जजों का दिल जीत लिया।

20 दिसंबर को रिलीज़ होगी साड़ी

अपकमिंग फ़िल्म साड़ी एक ऐसी फिल्म है जो आज के सोशल मीडिया द्वारा पैदा किए गए डरावने जुनून को उजागर करती है जो कभी-कभी एंटी सोशल मीडिया भी बन सकता है।इंस्टाग्राम जैसे ऐप्स आसानी से सच्चाई को गलत तरीके से पेश कर सकते हैं और लड़कियों को पीछा करने के प्रति संवेदनशील बना सकते हैं और इस तरह उन्हें डरावने और जुनूनी प्यार का शिकार बना सकते हैं।राम गोपाल वर्मा की साड़ी फिल्म की थीम है, बहुत ज्यादा प्यार डरावना हो सकता है। फ़िल्म रवि वर्मा द्वारा निर्मित और गिरी कृष्ण कमल द्वारा निर्देशित है, जिसमें आराध्या ने साड़ी पहनी लड़की के रूप में काम किया है और सत्य यदु को डरावने प्रेमी के रूप में दिखाया गया है।

एक सीन के लिए रणबीर ने दिए थे 37 टेक

फिल्ममेकर लव रंजन ने खुलासा किया है कि फिल्म मैं झूठी तू मक्कार के एक सीन के लिए रणबीर ने 37 टेक दिए थे। इसके बाद भी रणबीर का कहना था कि अगर रंजन शॉट से खुश नहीं होंगे तो वो और शॉट दे देंगे। लव रंजन ने यह भी खुलासा किया कि वे शुरुआत में रणबीर और अजय देवगन के साथ फिल्म बनाना चाहते थे। जब वो फिल्म नहीं बनी तो उन्होंने रणबीर के साथ मिलकर फिल्म मैं झूठी तू मक्कार बना दिया। सोनी मैक्स पर अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए रंजन ने कहा, 'यह एक नया एसोसिएशन था। रणबीर और मैं पहली बार साथ काम कर रहे थे। हमने वहीं बातें शुरू कीं। यह एक ऐसी फिल्म थी जिसे हम साथ में करने वाले थे। लेकिन फिल्म बन नहीं पाई। इसके बाद मैंने रणबीर के साथ तू झूठी मैं मक्कार बनाने का फैसला किया। इस चीज पर रणबीर भी सहमत थे।'

पेरेंट्स के तलाक पर सोहेल खान के बड़े बेटे बोले

सीमा सजदेह इस समय नेटफ्लिक्स के शो द फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक एपिसोड में बड़े बेटे निर्वाण के साथ सोहेल खान संग अपने तलाक पर बात की। इस दौरान निर्वाण ने बताया कि तलाक के वक्त उनके छोटे भाई योहान को इसका मतलब तक नहीं पता था, तो उसने गूगल पर सर्च किया था। बता दे, कपल के दो बच्चे हैं, जिनका नाम निर्वाण और योहान हैं। दरअसल, शो के एक एपिसोड में सीमा सजदेह बेटे निर्वाण से पूछती हैं लोग मेरे आगे बढ़ने की बात कर रहे हैं। क्या तुम मुझसे नाराज हो? इस पर निर्वाण जवाब देते हैं, नहीं मां बिल्कुल नहीं। हर किसी को एक साथी की जरूरत होती है। अगर आप खुश हैं, तो हम आपके लिए खुश हैं। पेरेंट्स के तलाक पर निर्वाण बोलते हैं, 'आपका तलाक सार्वजनिक रूप से हुआ। यह उस समय हुआ जब योहान शायद डिवोर्स शब्द को भी नहीं जानता था। तो जब यह सब हो रहा था, वह शायद सब कुछ सीख रहा था। मैंने उसे देखा था वह गूगल पर तलाक शब्द का मतलब सर्च कर रहा था।'

सिकंदर का मुकद्दर में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी तमन्ना

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली हाईस्ट ड्रामा सिकंदर का मुकद्दर में पैन इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म तमन्ना को एक नए और अलग किरदार में पेश करती है, जो उनकी वर्सेटिलिटी को उजागर करती है। उनका किरदार एक यूनिक और एडवेंचरस भूमिका में होगा, जो उनकी फिल्मी यात्रा में एक रोमांचक मोड़ जोड़ता है। इस फिल्म में उनके साथ जिमी शेरगिल और अविनाश तिवारी भी महत्वपूर्ण किरदारों में हैं। फैंस इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में उनकी परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।नेटफ्लिक्स ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की घोषणा करते हुए तमन्ना के इंटेन्स सीन्स के कुछ स्निपेट और बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो शेयर किए हैं, जिससे दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। पोस्ट में लिखा गया है, 60 करोड़ के हीरे चोरी। एक लंबी तलाश। और एक इंस्पेक्टर जो नहीं मानेगा हार। सिकंदर का मुकद्दर, कमिंग सून ओनली ऑन नेटफ्लिक्स। हालांकि, फिल्म की आधिकारिक रिलीज़ तारीख़ अभी तक घोषित नहीं की गई है।

सीरत कपूर से लें आउटफिट इंस्पिरेशन

इन दिनों दिवाली की तैयारियां जोरों पर हैं। एक्ट्रेस सीरत कपूर के इन लुक्स से प्रेरणा लेकर आप अपने लुक को और खास बना सकती हैं। ग्लैमरस शिमर साड़ी विद मॉडर्न ट्विस्ट-पहले लुक में, सीरत कपूर ने बेज कलर की सेमी-शीयर साड़ी पहनी है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस खूबसूरत साड़ी के साथ केप, क्रॉप टॉप और स्लीवलेस ब्लाउज का कॉम्बिनेशन इसे और खास बना रहा है। हल्के शिमर और नाजुक कढ़ाई के साथ यह साड़ी एक शानदार लुक देती है। नैचुरल मेकअप, स्मोकी आईज, न्यूड लिप्स और ढीले कर्ल के साथ मेसी हाफ पोनी लुक इसे परफेक्ट फेस्टिव फील देता है, जो किसी भी दीवाली सेलिब्रेशन के लिए शानदार है।इस देसी लुक में सीरत कपूर का यह अंदाज आपको पुराने जमाने के चार्म और मॉडर्निटी का मेल देगा! बेज गोल्ड ट्यूल गाउन-दूसरे लुक में, सीरत ने गोल्डन ट्यूल गाउन पहना है, जिसमें पत्तियों और फूलों का वाइन डिज़ाइन एम्ब्रॉयडर्ड है। इस गाउन का हॉल्टर कट योक और स्ट्रैपी बैक डिज़ाइन इसके आकर्षण को बढ़ाते हैं। इसकी डिटैचेबल ड्रेप और भव्य ट्रेन इसे एक रॉयल लुक देते हैं। यह लुक दीवाली की रात की पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट है। मोचा बेज नोरालो ड्रेप साड़ी -अगर आप हर बार वही साड़ी या लहंगा पहनकर बोर हो गई हैं, तो सीरत कपूर का ये तीसरा लुक आपको पार्टी में सबसे अलग दिखाएगा। इस मोचा बेज नोराली ड्रेप साड़ी के साथ एम्बेलिश्ड रफ्ल्ड स्लीव्स ब्लाउज का कॉम्बिनेशन इसे और भी अनोखा बनाता है। लो वेस्ट साड़ी का यह स्टाइल और इसके बारीकी से बनाए गए प्लीट्स आपके टोंड मिडरिफ को उभारेंगे।

इब्राहिम अली खान ने लगाया रूमर्ड गर्लफ्रेंड पलक को गले

दिवाली से ठीक पहले फिल्म इंडस्ट्री की प्री-दिवाली पार्टियों की शुरुआत हो चुकी है। हाल ही में डिजाइनर अबू जानी और संदीप खोसला ने दिवाली पार्टी होस्ट की थी, जहां इंडस्ट्री से जुड़ी कई हस्तियां शामिल हुई हैं। पार्टी के दौरान इब्राहिम अली खान ने अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड पलक तिवारी को गले लगाकर हर किसी का ध्यान खींच लिया है। दिवाली पार्टी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पलक तिवारी कार से उतरकर पार्टी में एंटर होती नजर आ रही हैं। इस दौरान इब्राहिम अली खान ने उन्हें वेलकम कर गले लगाया है। इसके बाद इब्राहिम ने पलक का इंट्रोडक्शन वहीं खड़े विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया से भी करवाया है। पलक तिवारी पार्टी में ब्राउन टॉप और डेनिम में पहुंची थीं, जबकि इब्राहिम ब्लैक इंब्रॉइडरी सूट में पहुंचे थे। पार्टी से सामने आया ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

इस दीवाली अपनाएं सस्टेनेबल फैशन

अभिनेत्रियां बता रही हैं कि कैसे अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल कर दिवाली के लिए साधारण कपड़ों को कुछ खास बनाया जा सकता है। इन अभिनेत्रियों में शामिल हैं- नेहा जोशी ('अटल' की कृष्णा देवी वाजपेयी), गीतांजलि मिश्रा ('हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश सिंह), और शुभांगी अत्रे ('भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी)। नेहा जोशी, जोकि 'अटल' में कृष्णा देवी वाजपेयी का किरदार निभा रही हैं, ने कहा, मुझे अपने दिवाली आउटफिट्स को एक खास टच देना अच्छा लगता है। जैसे कि, मेरे पास एक मरून कॉटन साड़ी है, जिसे मैंने पिछले साल पहना था, और इस बार मैं इसे एक नए अंदाज में दिखाने के लिए हाल ही में खरीदे मस्टर्ड ब्लाउज़ के साथ पहनने वाली हूं। यह आश्चर्यजनक है कि कैसे सिर्फ ब्लाउज़ बदलने से पूरा लुक बदल जाता है। गीतांजलि मिश्रा, जोकि 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश का किरदार निभा रही हैं, ने अपनी खुशी का इज़हार करते हुये कहा, इस साल मैं अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर मैचिंग कपड़ों और एक्सेसरीज़ के बजाय अलग-अलग चीजों को मिक्स करके एक्सपेरिमेंट करने वाली हूं। मेरे पास एक ब्राइट यलो कलर का लहंगा है जो मुझे बहुत पसंद है, और इस बार मैं इसे पारंपरिक चोली के बजाय गहरे मैजेंटा रंग की ब्लाउज़ के साथ पहनने की सोच रही हूं। बोल्ड कलर कॉम्बिनेशन एक शानदार फेस्टिव वाइब लेकर आता है, जो दीवाली के लिये बिल्कुल उपयुक्त है। शुभांगी अत्रे, जोकि 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी के रूप में मशहूर हैं, का कहना है मुझे दिवाली की शॉपिंग बहुत पसंद है, लेकिन इस साल मैं ट्रैडिशन में थोड़ा ट्विस्ट लेकर आ रही हूं। मैं अपनी वाइब्रेंट ऑरेंज कलर की साड़ी को हरे रंग के ब्लाउज़ के साथ पहन रही हूं और सोने के बजाय इसे मोतियों की जूलरी के साथ सजा रही हूं। यह पुराने और नए का बेजोड़ संगम होगा, जिसमें मेरे वार्डरोब से मेरे लिए भावनात्मक मूल्य रखने वाली चीज़ें शामिल होंगी, जैसेकि मेरी माँ की रॉयल ब्लू कांजीवरम साड़ी को और स्टेटमेंट ईयररिंग्स एवं कलरफुल बैंगल्स जैसे मॉडर्न, बोल्ड एक्सेसरीज़ के साथ मिलाकर एक नया लुक तैयार किया गया है।

दीपावली गिफ्ट का गणित

दीपावली का त्योहार आते ही हर किसी के चेहरे पर मिठास और जेब में खलबली सी मचने लगती है। हर किसी को न केवल घर सजाना होता है, बल्कि उपहारों और मिठाइयों का भी हिसाब-किताब करना होता है। हर इंसान की एक आंतरिक सूची तैयार होती है- किसे क्या देना है और क्यों देना है! इस पूरे चक्कर में हम उपहार देने के इस मायावी स्वार्थी गणित के बंधन में ही रहते हैं। मिठाई किसे देनी है और मिठाई किसे नहीं देनी है? यह सवाल स्वार्थी प्रबंधन में माहिर कांटी व्यक्ति को भी गुलांटी खिला देता है।

मिठाई किसे दें? सीधी सी बात है, जो लोग जितनी मात्रा में काम आए उसी मात्रा में उसकी मिठाई भेजी जानी चाहिए। स्वार्थी गणित का यही नियम है। जो लोग हर साल हमें मिठाई देते हैं, उनके यहां मिठाई भेजी जाती है, ताकि ये मिठाई घुमाओ योजना वर्षों तक फलती-फूलती रहे। जो लोग हमें मिठाई नहीं देते, उनको हम मिठाई देकर इस गणित को बिगाड़ना नहीं चाहते। हां, एक खास दांव इस बार भी चल सकते हैं - जिस रिश्तेदार या पड़ोसी की नई नौकरी लगी हो या जिसकी सैलरी में इजाफा हुआ हो, उनके घर मिठाई भेजना समझदारी है। इसी बहाने अगले साल उनसे बड़ा सा बॉक्स मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

गिफ्ट किसे दें। गिफ्ट देने का मकसद होता है लाभ की उगाही। बड़े अधिकारियों या अपने बॉस के लिए तो यह अनिवार्य है। यहां मिठाई की कोई चाल नहीं चलती, इनको गिफ्ट ही चाहिए और वो भी कुछ ऐसा जिसे देखकर लगे कि आप इस नौकरी को एक गंभीर जिम्मेदारी मानते हैं। कोशिश करें कि बॉस को ऐसा गिफ्ट मिले जो बाकियों के मुकाबले अनोखा और आकर्षक हो, ताकि प्रमोशन से लेकर भ्रष्टाचार करने की सीढ़ियों में एक धक्का मिले। अपने स्वार्थ के लिए गणित लगाने% का असली मजेदार हिस्सा ही जीवन का किस्सा है। बात यह है कि रिश्तेदारों और दोस्तों में भी एक हिसाब लगाना पड़ता है कि किसे क्या देना है।

मामा के बेटे की शादी में बड़ा उपहार नहीं भेजा था, तो इस बार उसी हिसाब से छोटा सा बॉक्स, ताकि पुराना कर्ज चुक जाए। जो लोग हर बार छोटी सी थैली में बर्फी और नमकीन भेजकर बचे रह जाते हैं, उनको इस बार बस कार्ड भेज दीजिए -मिठाई पहले ही खा चुके हैं। इन्हें का दीजिए मिठाइयों में आजकल बहुत मिलावट आ गई है, इसलिए मिठाई नहीं खाना चाहिए।

दूर के दोस्त, जो साल भर में सिर्फ दीपावली के आसपास ही याद आते हैं। यहां भी गणित का एक अलग किस्म का विज्ञान है। यह एक जोरदार कला भी है। दोस्त, जो अक्सर भाई बनकर आपके फोन पर %खर्चा% बढ़ाते हैं, उनके लिए बस मिठाई का छोटा पैकेट काफी है। वो दोस्त, जो काम बनाओ भाई के फॉर्मूले में फिट बैठते हैं, उनको गिफ्ट के साथ एक अच्छे ब्रांड की मिठाई दे देना चाहिए। सच्ची बात यह है कि गणित के सारे जोड़े, और उपहार की सूची, आपके खुद के स्वार्थ की धुरी पर घूमते हैं। अगर आपका बजट सही है, तो सारे रिश्तेदार, पड़ोसी और दोस्त खुश। वरना उपहारों और मिठाइयों की व्यवस्था ऐसी हो कि आपकी जेब भी खुश रहे और दिखावा भी कायम रहे। आपका अपना स्वार्थ सजा रहे। जिंदगी में बस स्वार्थ का ही मजा रहे।

रामविलास जांगिड़,18, उत्तम नगर, घूघरा, अजमेर (305023) राजस्थान

कटाक्ष

जग में भाई जान

भगवा संस्कृति से हुई भारत की पहचान
श्वेत धारी है मगर क्यों इससे अनजान

फेल हुये कानून सब आया जंगल राज
ऐसे में ढूंढे कहां सभ्य ठिकाना आज

बचकर जायेंगे कहां मिलते यहां लठैत
पग पग पर है लूटते कितने देख डकैत

सच्चाई से कर यहां कितने अच्छे काम
झूठों में ही आयगा फिर भी तेरा नाम

सच कितना ही बोलिये साबित होंगे चोर
इस व्यवस्था में न चले तेरा कोई जोर

प्रतिभा की होती नहीं जिनको कुछ पहचान
मक्कारों का कर रहे देख आज सम्मान

काम ऐसा कर पहले पाय खूब सम्मान
गूंजता रहे नाम फिर जग में भाई जान

आप दया की भीख के मत रहे मोहताज
श्रम से पहले आप तो अपने सिर पर ताज

झूठ कभी मत बोलना ना दे उसका साथ
अगर झुकाना है झुका सच के आगे माथ

अच्छा खासा आदमी कर देता तब चोट
आ जाती है नियत में जिस दम उसके खोट

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.)
457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

बुधनी में तीसरी बार उपचुनाव

हर बार शिवराज ही बने कारण

इंदौर। सीहार जिले की बुधनी विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। लेकिन, इसे एक मिथक कहा जाएगा कि बुधनी विधानसभा में अब तक हुए उपचुनावों में कांग्रेस की ओर से हमेशा राजकुमार पटेल ही प्रत्याशी रहे हैं। वहीं, भाजपा की ओर से मोहनलाल शिशिर, शिवराज सिंह चौहान और इस बार रमाकांत भार्गव प्रत्याशी हैं। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि बुधनी सीट पर हुए तीनों उपचुनाव में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की भूमिका रही है या कहें कि उपचुनाव का कारण वे खुद रहे हैं। इस सीट पर हुए पहला उपचुनाव 1992 में, दूसरा 2006 में हुआ था। वहीं, इस साल 2024 में हो रहा तीसरे उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे।

केंद्र की मोदी सरकार में कृषि मंत्री और मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साल 1990 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर बुधनी से चुनाव लड़ा और विधायक बने। साल 1991 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने विदिशा और लखनऊ सीट से चुनाव लड़ा। जीत के बाद उन्होंने विदिशा सीट से इस्तीफा दे दिया। इससे उपचुनाव की स्थिति बनी और भाजपा नेतृत्व ने युवा विधायक शिवराज सिंह चौहान को मौका दिया। विदिशा से सांसद चुने जाने के बाद शिवराज सिंह ने बुधनी विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। सीट खाली होने पर 1992 में हुए उपचुनाव में भाजपा की ओर से मोहनलाल शिशिर ने चुनाव लड़ा था।

मुख्यमंत्री के तौर पर लड़ा चुनाव

साल 2005 में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने शिवराज सिंह चौहान को मध्य प्रदेश भेजा। विधायक दल के नेता के रूप में उनका नाम आने के बाद वे प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। इस दौरान बुधनी विधानसभा सीट से तत्कालीन विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत ने इस्तीफा देकर यह सीट खाली कर दी। इसके बाद 2006 में हुए उपचुनाव में शिवराज सिंह चौहान बुधनी सीट से मुख्यमंत्री के रूप में चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की।

सांसद बनने के बाद दिया इस्तीफा

मध्य प्रदेश में नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान बुधनी विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर विधायक बने। लेकिन, भाजपा की ओर से इस बार उन्हें मुख्यमंत्री पद नहीं सौंपा गया। ऐसे में उनके केंद्र में जाने की चर्चा शुरू हुई। साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान विदिशा से टिकट दिया गया और वे रिकॉर्ड जीत दर्ज कर सांसद चुने गए। इसके बाद केंद्र की मोदी सरकार में उन्हें पंचायत एवं ग्रामीण विकास व कृषि मंत्री बनाया गया। सांसद बनने के कारण शिवराज को विधायक पद से इस्तीफा पड़ा, इससे एक बार फिर बुधनी सीट पर उपचुनाव की स्थिति बनी। इस उपचुनाव में भाजपा ने रमाकांत भार्गव पर भरोसा जताया है।

तीनों उपचुनाव में कांग्रेस से प्रत्याशी राजकुमार

बुधनी सीट पर अब तक हुए तीन उपचुनाव में भाजपा की ओर से हर बार प्रत्याशी बदल दिया गया। वहीं, इसे एक संयोग ही कहा जा सकता है कि इस सीट पर पिछले दो उपचुनावों और आगामी उपचुनाव में कांग्रेस ने राजकुमार पटेल को ही प्रत्याशी बनाया है।

हालांकि, पिछले दोनों उपचुनाव में पटेल को हार का सामना करना पड़ा था। पटेल 1992 में भाजपा के मोहनलाल शिशिर से 580 वोटों से और 2006 के उपचुनाव में शिवराज सिंह चौहान से 36,500 वोटों से हार गए थे। इस बार कौन जीतेगा यह तो 23 नवंबर को आने वाला चुनाव परिणाम ही बताएगा।

बता दें कि राजकुमार पटेल वर्ष 1993-98 तक विधायक रह चुके हैं। उन्हें दिग्विजय सिंह की सरकार में शिक्षा राज्य मंत्री भी बनाया गया था। उनके बड़े भाई देवकुमार पटेल ने 1998 से 2003 तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था।

उपचुनाव में भाजपा की बढ़त, कांग्रेस को जीत का इंतजार

बुधनी में अब तक हुए दो उपचुनाव में भाजपा ने अजेय बढ़त बनाए रखी है, जबकि कांग्रेस तीसरे उपचुनाव में जीत की उम्मीद कर रही है। बुधनी विधानसभा में दोनों उपचुनाव भाजपा शासनकाल में हुए थे। तीसरा उपचुनाव के दौरान भी प्रदेश में भाजपा की ही सरकार है। अगर, भाजपा इस बार भी जीतती है तो वह 3-0 की अजेय बढ़त बना लेगी। वहीं, अगर कांग्रेस जीतती है तो मुकाबला 2-1 हो जाएगा।

भाजपा-कांग्रेस के साथ सपा भी मैदान में

बता दें कि इस बार उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने भी दस्तक दी है। अभी तक मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होता आया है। लेकिन, इस बार समाजवादी पार्टी से कांग्रेस के बागी नेता अर्जुन आर्य ने अपना नामांकन दाखिल किया है। ऐसे में मुकाबला त्रिकोणीय भी हो सकता है।

पटवारी ने साधे सारे समीकरण: 177 सदस्यीय कार्यकारिणी में गुटीय, जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों का संतुलन

इंदौर। जीतू पटवारी ने मप्र कांग्रेस अध्यक्ष बनने के करीब 10 महीने बाद राज्य कार्यकारिणी का ऐलान किया। 177 सदस्यीय जंबो कार्यकारिणी घोषित की गई है। इस टीम में करीब 21 महिलाओं को जगह दी गई है। कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, कांतिलाल भूरिया, अरुण यादव और विवेक तन्खा जैसे नेताओं को कार्यकारी सदस्य बनाया गया है। टीम में 17 उपाध्यक्ष, 71 महासचिव, 16 कार्यकारिणी सदस्य, 33 स्थाई आमंत्रित सदस्य और 40 विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।

इसमें पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे पूर्व सांसद नकुलनाथ को जगह नहीं मिली है। जबकि, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह को जगह दी गई है। इसमें विधानसभा चुनाव हारे कुणाल चौधरी और नीलांशु चतुर्वेदी को भी शामिल किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 17 उपाध्यक्ष, 71 महासचिव, 33 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 40 विशेष आमंत्रित सदस्य भी बनाए हैं। उनकी टीम में सभी गुटों को साधने की कोशिश की गई है।कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी में 50 प्रतिशत से ज्यादा सदस्य युवा चेहरे हैं। करीब 15 प्रतिशत पद महिलाओं से भरे गए हैं। प्रदेश कांग्रेस के इतिहास में पहली बार है जब महिलाओं को कार्यकारिणी में सभी पदों पर पर्याप्त जगह दी गई है। जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को भी साधने की कोशिश की गई है। भाजपा और अन्य दलों से आए लोगों को भी सम्मानजनक स्थान मिला है।

जीतू पटवारी ने कार्यकारिणी में सभी वरिष्ठ नेताओं के समर्थकों के साथ अंचल और जातिगत समीकरणों को साधने का प्रयास किया गया है। अल्पसंख्यक, ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया है। तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के समय प्रदेश कार्यकारिणी में 800 से अधिक सदस्य हो गए थे, पर जीतू ने अपनी छोटी टीम रखी है। पीढ़ी परिवर्तन की बात को आगे बढ़ाते हुए युवाओं को अवसर दिया है तो महिला कांग्रेस पदाधिकारियों को भी मुख्य संगठन में स्थान दिया है।

कुल मिलाकर पटवारी अपनी टीम बनाने में संतुलन के फार्मूले के साथ सबका साथ और विश्वास को लेकर आगे बढ़े हैं। जिन्हें पदाधिकारी नहीं बनाया गया, उन्हें विशेष आमंत्रितों में शामिल करके साधने की कोशिश की गई है। कार्यकारिणी में दिग्विजय सिंह और उनके बेटे जयवर्धन सिंह, कांतिलाल भूरिया के बेटे विक्रांत भूरिया, अरुण यादव व उनके भाई सचिन यादव को तो जगह मिली, लेकिन कमल नाथ के बेटे नकुल नाथ टीम में जगह नहीं मिली है।

समीकरणों का संतुलन

पटवारी की टीम में सभी गुटों को साधा गया है। 50 प्रतिशत से अधिक पद युवा चेहरों को दिया गया है। वहीं, 15 प्रतिशत के लगभग पद महिलाओं को दिए गए हैं। पहली बार है जब महिलाओं को कार्यकारिणी में सभी पदों पर पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया है। जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को भी साधा है। साथ ही भाजपा और दूसरे दलों से आए नेताओं को भी पर्याप्त स्थान मिला है। खास बात यह है कि इस टीम में दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह को उपाध्यक्ष और कांतिलाल भूरिया के बेटे विक्रात भूरिया को महासचिव बनाया गया है। लेकिन इसमें कमल नाथ के बेटे नकुल नाथ इस टीम में शामिल नहीं हैं।

पटवारी ने पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाह और आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम को भी अपनी टीम में महासचिव बनाकर शामिल किया है। युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. विक्रांत भूरिया और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विपिन वानखेड़े भी महासचिव बनाए गए हैं। अब तक संगठन का काम देख रहे राजीव सिंह फिर प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे अब प्रदेश कांग्रेस के महासचिव होंगे। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हारने वाले नेताओं को भी प्रदेश कांग्रेस की टीम में स्थान मिला है।

भाजपा में बढ़ेगी युवाओं की भागीदारी

अन्य पार्टियों से आए नेताओं की सीमित रहेगी भूमिका

इंदौर। प्रदेश भाजपा कार्यालय में संगठन पर्व को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में तय किया गया कि अब पार्टी में युवाओं की भागीदारी और अधिक बढ़ाई जाएगी। इस योजना में अब मंडल से लेकर जिला स्तर तक युवाओं को प्रमुख जिम्मेदारियां दी जाएंगी। दरअसल आने वाले दिनों में मध्यप्रदेश में मंडल से लेकर प्रदेश तक संगठन के निर्वाचन होना हैं। इसे लेकर पार्टी में कवायद तेज हो गई है। अब मंडल अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष भी कम आयु वाले कार्यकर्ता होंगे।

दरअसल पार्टी युवाओं को आगे लाकर उनकी कार्यक्षमता का उपयोग संगठन को और मजबूत करने में करने की तैयारी में है। इसे लेकर रोडमैप लगभग तैयार हो चुका है और आने वाले दिनों में संगठन चुनावों में युवा नेतृत्व उभरता हुआ नजर आएगा।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा पुराने कार्यकर्ताओं को संगठन में प्राथमिकता देगी, जबकि कांग्रेस समेत दूसरी पार्टी से आने वाले नेताओं के लिए उच्च पदों की संख्या को सीमित किया जाएगा। पार्टी इस बार उन कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देगी जो पार्टी के जमीनी कार्यों में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। इन कार्यकर्ताओं को सम्मानित करते हुए उन्हें पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

संगठन का मानना है कि यह बदलाव पार्टी के भीतर नई ऊर्जा का संचार करेगा और जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ को मजबूत करेगा।

भाजपा ने नए खून को आगे बढ़ाने का काम किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पार्टी संगठन से तालमेल कर लगातार विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पार्टी के प्रदेश संगठन के साथ तालमेल कर लगातार कार्य कर रही है। संगठन पर्व की तरह सक्रिय सदस्यता में भी मध्यप्रदेश भाजपा इतिहास बनाएगी।

पार्टी कार्यकर्ता संगठन पर्व के साथ सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। संगठन पर्व में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में मध्यप्रदेश संगठन ने ऐतिहासिक कार्य किया है। कांग्रेस मध्यप्रदेश के साथ देशभर में तेजी से घट रही है, वह भी अपने लीडरशिप के कारण। जैसे मध्यप्रदेश संगठन ने तय किया है कि 100 प्राथमिक सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ता को ही सक्रिय सदस्यता दी जाएगी। भाजपा में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी और स्वर्गीय कैलाश जोशी के बाद कई पीढ़ी आ गई, लेकिन कांग्रेस में उसी जमाने के दिग्विजय सिंह और कमलनाथ चल रहे हैं, इसीलिए कांग्रेस समाप्त हो रही है।

भाजपा नए खून को आगे बढ़ाने का कार्य किया, इसी का परिणाम है कि आज पंच-सरपंच से लेकर जिला राज्य और केंद्र तक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। कांग्रेस ने देश और समाज को जाति के आधार पर बांटने व जहर घोलने का कार्य किया है।

सभी को बनाने होंगे दस महिला जनप्रतिनिधि

बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि प्रदेश में भाजपा का प्रत्येक जनप्रतिनिधि दस-दस महिलाओं को सदस्य बनाए। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा अब दो करोड़ सदस्य बनाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन पर्व की तरह सक्रिय सदस्यता में भी मप्र भाजपा इतिहास बनाएगी। पार्टी कार्यकर्ता संगठन पर्व के साथ सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाएं।

संगठन पर्व में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में मध्यप्रदेश संगठन ने ऐतिहासिक कार्य किया है। मप्र के संगठन ने सदस्यता अभियान में चमत्कार कर दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की ताकत से ही मप्र में लगातार भाजपा की सरकार बन रही है। दशहरा पर शस्त्र पूजन का कार्य समाज के साथ मिलकर किया गया है। सरकार ने समाज के साथ मिलकर गोवर्धन पूजा करने का निर्णय लिया है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com